आषाढ़ कृष्ण पक्ष- 6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक-01 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल

06 जुलाई 2026 सोमवार

आज का मौसम

30.8 अधिकतम

25.4 न्यूनतम

बारिश में वार्ड 74 की सड़कें बनीं मुसीबत, जगह-जगह गड्ढों से लोग परेशान, नगर निगम की अनदेखी पर उठे रहे सवाल

खेजड़ा : जरा संभलकर चले, हादसे आपके इंतजार में हैं...

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के खेजड़ा वार्ड क्रमांक 74 में बारिश शुरू होते ही सड़कों की बदहाल स्थिति एक बार फिर सामने आ गई है। क्षेत्र की अधिकांश सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाने से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। बारिश के कारण पानी से भरे गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दोपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर घायल हो रहे हैं। बच्चों, बुजुर्गों और स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को भी आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जाता। नागरिकों का आरोप है कि नगर निगम केवल कागजों में सड़क मरम्मत और विकास के दावे करता है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बेहद खराब हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बारिश के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल गड्ढों की मरम्मत कराई जाए और क्षतिग्रस्त सड़कों का पुनर्निर्माण कराया जाए। बारिश के दौरान भोपाल के विभिन्न इलाकों में जलभराव और गड्ढों की समस्या लगातार सामने आ रही है, जिससे शहर की सड़क व्यवस्था और मानसून तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय लोगों की मांग

- खेजड़ा वार्ड 74 की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत की जाए।
- बारिश से पहले और दौरान नियमित सड़क निरीक्षण कराया जाए।
- जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि पानी सड़कों पर जमा न हो।
- दुर्घटना संभावित स्थानों पर चेतावनी संकेत और अस्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

बारिश के बीच खेल रही सात वर्षीय बच्ची बिजली के खंभे के करंट की चपेट में आई, मौत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र के क्रेशर बस्ती पिपलिया ओंकारा में बारिश के दौरान बिजली के खंभे में उतरे करंट की चपेट में आने से 7 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। घटना सुबह उस समय हुई, जब बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। गंभीर हालत में उसे पहले स्थानीय अस्पताल और बाद में एम्स ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, पिपलिया ओंकारा निवासी हीरालाल धाकड़ मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सुबह उनकी 7 वर्षीय बेटी शुभी धाकड़ घर के बाहर खेल रही थी। लगातार बारिश के कारण बिजली के खंभे के आसपास पानी भर गया था। खेलते-खेलते शुभी जैसे ही पानी में पहुंची, खंभे में उतरे करंट की चपेट में आ गई। उसकी चीख सुनकर परिजन दौड़े और उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे एम्स रेफर किया, लेकिन देर शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर ठगों ने भेजी एपीके फाइल

12 रुपए के झांसे में आया बुजुर्ग 90 हजार की हुई साइबर ठगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के बागसेवनिया क्षेत्र में साइबर ठगों ने बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर 75 वर्षीय बुजुर्ग हेमचंद्र पांडेय से 90,521 रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। ठगों ने उपभोक्ता नंबर अपडेट करने का झांसा देकर पहले फोन और वॉट्सएप पर संपर्क किया, फिर एपीके फाइल भेजकर मोबाइल में इंस्टॉल कराई। इसके बाद प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर 12 रुपए का भुगतान करने को कहा और यूपीआई में एक कोड दर्ज कराया। बुजुर्ग के संदेह जताने पर भी आरोपी ने भरोसा दिलाया कि रकम नहीं कटेगी, लेकिन कुछ ही देर में उनके एसबीआई खाते से तीन ट्रांजेक्शन के जरिए 90,521 रुप निकल गए। रात में उनका वॉट्सएप अकाउंट भी हैक हो गया और परिचितों को स्वतः संदेश भेजे जाने लगे। शिकायत पर बागसेवनिया थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, राजधानी में पिछले एक वर्ष में साइबर ठगी के 1,197 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें 32.48 करोड़ रुपए की ठगी सामने आई है। पुलिस ने 124 आरोपियों को गिरफ्तार कर 14.41 करोड़ रुपये फ्रीज और 3.51 करोड़ रुपए पीड़ितों को वापस कराए हैं।

बिजली बिल के नाम पर आने वाले लिंक से बचें

साइबर विशेषज्ञ शोभित चतुर्वेदी के अनुसार बिजली बिल, ई-केवाईसी या उपभोक्ता नंबर अपडेट करने के नाम पर आने वाले फोन, लिंक या एपीके फाइल पर कभी भरोसा न करें। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और मोबाइल में एपीके फाइल इंस्टॉल करने से बचें। यूपीआई पिन, ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। यदि बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर कोई कॉल करे तो पहले संबंधित विभाग के आधिकारिक टोल-फ्री नंबर पर जानकारी की पुष्टि करें। ठगी का संदेह होने पर तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग बोले- देश में महिलाओं की सोसायटी बनाने वाला अग्रणी राज्य बनेगा मध्यप्रदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि मप्र देश में महिलाओं की सोसायटी बनाकर अग्रणी राज्य बनेगा। इस नवाचार की शुरुआत अगले माह से की जाएगी। मंत्री सारंग अपेक्स बैंक में आयोजित सहकारी सप्ताह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश जल्द ही बीज के मामले में भी लीड करेगा। इसके पहले कम्प्यूटराइजेशन के साथ पिछले साल ऑनलाइन ऑडिट में भी मध्यप्रदेश का सहकारिता विभाग आगे रहा। यही नहीं मध्यप्रदेश ऑनलाइन केसीसी देने वाला पहला राज्य भी बना है। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारी सप्ताह समारोह में मंत्री सारंग ने कहा कि सहकारिता में अधिकारी-कर्मचारी समाज के उन्नयन के लिए योगदान दे रहे हैं। साथ ही अलग-अलग आयामों पर काम किया जा रहा है। युवा, महिला, किसान सहित हर वर्ग के कल्याण पर ध्यान दिया जा रहा है। रोजगार की दिशा में समाज के निचले वर्गों को आत्म-निर्भर बनाने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

बहू की मौत के मामले में जेल में बंद हैं रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह

रिटायर्ड जज के सूने बंगले से 25 लाख के हीरे-सोने की चोरी मामले की जांच करेगी एसआईटी

सीसीटीवी में कैद हुए छह नकाबपोश बदमाश, कई जिलों में पुलिस की दबिश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के कटारा हिल्स स्थित सूने बंगले में हुई करीब 25 लाख रुपये की चोरी की जांच अब विशेष जांच दल (एसआईटी) करेगा। बहू ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में पिछले एक माह से गिरिबाला सिंह सेंट्रल जेल में बंद हैं। इसी दौरान 27-28 जून की दरम्यानी रात छह नकाबपोश बदमाश मकान में घुसे और डायमंड व सोने के जेवर चोरी कर ले गए। पुलिस के अनुसार चार आरोपी घर के अंदर दाखिल हुए, जबकि दो बाहर निगरानी करते रहे। सभी की गतिविधियां सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई हैं। घटना का खुलासा 28 जून की सुबह तब हुआ, जब रिटायर्ड जज के भाई रणधीर सिंह भदौरिया घर पहुंचे और ताले टूटे मिले। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कोर्ट की अनुमति से जेल पहुंचकर गिरिबाला सिंह से चोरी गए

जेवरों की जानकारी भी ली। कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे के नेतृत्व में गठित आठ सदस्यीय एसआईटी मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने कई संदिग्धों का पीछा भी किया, हालांकि आरोपी थैला छोड़कर फरार हो गए। बरामद थैले से चांदी के जेवर, एक रिवॉल्वर और अन्य सामान मिला है। पुलिस की टीमें कई जिलों में लगातार दबिश दे रही हैं।

सीसीटीवी बना सबसे बड़ा सुराग

कटारा हिल्स चोरी कांड की जांच में सीसीटीवी फुटेज पुलिस के लिए सबसे अहम सुराग बनकर सामने आया है। फुटेज में छह नकाबपोश बदमाश स्पष्ट दिखाई दिए हैं। इनमें चार आरोपी मकान के भीतर घुसकर अलमारियों और कमरों के ताले तोड़ते नजर आए, जबकि दो साथी बाहर निगरानी करते रहे। एसआईटी ने संदिग्धों के संभावित रूट और आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने शुरू कर दिए हैं। पुलिस अशोकनगर, गुना, रायसेन, गांधीनगर समेत कई स्थानों पर दबिश दे रही है। जांच के दौरान आरोपियों द्वारा छोड़े गए थैले से चांदी के जेवर, एक रिवॉल्वर और अन्य सामान भी बरामद हुआ है। पुलिस को उम्मीद है कि तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों तक पहुंच बनाई जा सकेगी।

पहल : नए वक्फ बोर्ड में पहली बार दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को मिली जगह

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश ने नए वक्फ कानून के लागू होने के बाद देश में सबसे पहले अपने वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन कर एक अहम कदम उठाया है। राज्य सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार 10 सदस्यीय नए वक्फ बोर्ड का गठन किया गया है, जिसमें पहली बार दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को भी जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लिया गया यह फैसला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। सरकार का मानना है कि नए बोर्ड के गठन से वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही को और मजबूत किया जा सकेगा। मध्यप्रदेश सरकार ने नए वक्फ कानून के प्रावधानों के अनुसार राज्य वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन किया है। इस नए बोर्ड में कुल 10 सदस्य शामिल किए गए हैं। इनमें पहली बार दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को भी जगह दी गई है। मनोज मालपानी और अनिमेश भार्गव को बोर्ड का सदस्य बनाया गया है। यह पहली बार है जब किसी राज्य के वक्फ बोर्ड में इस तरह गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल किया गया है। इसी वजह से मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने नए कानून के तहत इस व्यवस्था को लागू किया है।

डॉ. सनवर पटेल को मिली बोर्ड की कमान

नवगठित मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड की अध्यक्षता डॉ. सनवर पटेल करेंगे। उनके नेतृत्व में बोर्ड वक्फ संपत्तियों के संरक्षण, प्रबंधन और उनसे जुड़े अन्य मामलों पर काम करेगा। सरकार का कहना है कि नए बोर्ड के गठन का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के संचालन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाना है ताकि सभी प्रक्रियाएं बेहतर तरीके से संचालित हो सकें। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार बोर्ड में डॉ. सनवर पटेल के अलावा मनोज मालपानी, अनिमेश भार्गव, नजमा हेपतुल्ला, विधायक आतिफ अकील, फैजान खान, बहन फातेमा चौधरी, शाइस्ता सुल्तान, शबाना खान और पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के आयुक्त को सदस्य बनाया गया है। इन सभी सदस्यों की जिम्मेदारी वक्फ से जुड़े मामलों की निगरानी और प्रशासनिक कार्यों को सुचारु रूप से आगे बढ़ाना होगी।

मेट्रो एंकर

भारत भवन में आयोजित तीन दिवसीय गायन पर्व का हुआ समापन

अनहद के मंच पर गूंजे शास्त्रीय संगीत के अमर स्वर, मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत भवन के संगीत केंद्र 'अनहद' द्वारा आयोजित तीन दिवसीय गायन पर्व का समापन रविवार को भारतीय शास्त्रीय संगीत की गरिमामयी प्रस्तुतियों के साथ हुआ। अंतिम संध्या में बनारस घराने के युवा शास्त्रीय गायक डॉ. ऋषि मिश्र और सुप्रसिद्ध गायिका मंजरी असनारे ने अपने सधे हुए स्वरों, रागदारी की गहराई और भावपूर्ण अभिव्यक्ति से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे सभागार में सुर, लय और ताल का ऐसा समन्वय गूंजा कि श्रोता देर तक सांगीतिक रसधारा में डूबे रहे।

श्याम घन आयो से गूंज उठा सभागार : संगीत संध्या का शुभारंभ बनारस घराने के प्रतिनिधि कलाकार डॉ. ऋषि मिश्र की प्रस्तुति से हुआ। उन्होंने वर्षा ऋतु के अनुरूप राग मेघ मल्हार की विलंबित एकताल में निबद्ध बंदिश 'श्याम घन आयो' प्रस्तुत कर वातावरण को मेघों की शीतल अनुभूति से भर दिया। गंभीर आलाप, विस्तृत स्वर-विन्यास और राग की

शास्त्रीय गरिमा ने उनकी प्रस्तुति को विशेष ऊंचाई प्रदान की। मंद्र और मध्य सप्तक में स्वरों का संतुलित विस्तार उनके गहन रियाज और बनारस घराने की परंपरा का सशक्त परिचय देता रहा। इसके बाद उन्होंने मध्य लय की एकताल में 'गगन सघन घेरी आई' प्रस्तुत की। इस बंदिश में वर्षा ऋतु की छवियों को स्वरों के माध्यम से जीवंत करने का सुंदर प्रयास दिखाई दिया। आलाप, बोल-तान और लयकारी के संतुलित प्रयोग ने प्रस्तुति को और प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम के अगले चरण में झपताल में निबद्ध बंदिश 'बादल की घमक सुनी झपते कानन' ने श्रोताओं को प्रकृति और संगीत के अद्भुत सामंजस्य का अनुभव कराया। उनकी प्रस्तुति में बनारस घराने की मधुरता, गंभीरता और राग के प्रति गहरी साधना स्पष्ट रूप से झलकती रही। डॉ. ऋषि मिश्र की प्रस्तुति को संगतकारों ने भी समान ऊंचाई प्रदान की। तबले पर अरविंद कुमार ने सधी हुई लयकारी से गायन को सशक्त आधार दिया, जबकि आबिद हुसैन की सारंगी ने राग की भावपूर्ण अभिव्यक्ति को और अधिक प्रभावी बनाया। हारमोनियम पर रचना पुराणिक शर्मा ने स्वर-संवाद को सुंदरता से आगे बढ़ाया। वहीं तानपुरे पर निहारिका मिश्रा और मौसम जायसवाल ने संपूर्ण प्रस्तुति को सुरों की स्थिरता और गहराई प्रदान की।

संगीत की उत्कृष्टता का परिचय दिया : कार्यक्रम के दूसरे चरण में मंच पर आई सुविख्यात शास्त्रीय गायिका मंजरी असनारे ने अपनी परिपक्व और भावप्रधान गायकी से श्रोताओं को बांध लिया। उन्होंने राग केदार की विलंबित तीनताल में निबद्ध बंदिश 'एरी इन नैनन बैर कियो मोसो' से प्रस्तुति का आरंभ किया। राग केदार की गंभीरता और माधुर्य को उन्होंने अत्यंत संतुलित स्वर-साधना और सूक्ष्म भावाभिव्यक्ति के साथ प्रस्तुत किया। विलंबित ख्याल में स्वरों का विस्तार, मींड, गमक और तानों की सटीक प्रस्तुति ने शास्त्रीय संगीत की उत्कृष्टता का परिचय दिया। इसके बाद तीन ताल की द्रुत बंदिश 'सैंया मीरा रे' ने कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार किया। द्रुत लय में उनकी सहज गति, स्पष्ट उच्चारण और लय पर सशक्त पकड़ ने श्रोताओं की भरपूर सराहना अर्जित की। वर्षा ऋतु की सांगीतिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मंजरी असनारे ने रामदासी मल्हार में 'बदरा उमड़-घुमड़ कर' की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इस राग की गंभीरता और वर्षा की अनुभूतियों को उन्होंने अत्यंत आत्मीयता के साथ स्वर दिए। कार्यक्रम का समापन द्रुत बंदिश 'कित ते आयावे री' से हुआ, जिसमें उनकी तानों की गति, सुरों की स्पष्टता और लयकारी ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मायके से लौट रही महिला की बुझ गई जिंदगी, हादसे के 18 दिन बाद मौत

भोपाल। राजधानी के बैरसिया थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई 48 वर्षीय शैतान बाई की 18 दिन तक इलाज के बाद मौत हो गई। वह 19 जून को अपने दो भतीजों के साथ मायके से बाइक से घर लौट रही थीं। चंदा-सलोई मार्ग पर पीछे से तेज रफ्तार आल्टो कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। शैतान बाई के सिर में गंभीर चोट आई थी और उनका अस्पताल में लगातार उपचार चल रहा था। रविवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। बैरसिया थाना पुलिस ने बताया कि पहले से दर्ज एफआईआर में अब महिला की मौत के बाद गैर इरादतन हत्या सहित संबंधित गंभीर धाराएं जोड़कर मामले की जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 जुलाई 2026 सोमवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
32.2 अधिकतम
23.6 न्यूनतम

Page-7

मुख्यमंत्री का ऐलान... प्रदेश में इसी महीने लागू हो जाएगा यूसीसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश में सामान नागरिक संहिता लागू करने को लेकर आज बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि इसे इसी महीने अमल में लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर लालघाटी पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि डॉ मुखर्जी हमारी यादों में बसे हुए हैं। हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि मध्यप्रदेश भी उन गौरवशाली राज्यों में शामिल हो रहा है, जहां एक संविधान लागू है। डॉ. मुखर्जी ने आजादी के समय बनने वाले संविधान के अंदर की कमी को परिलक्षित करते हुए कहा था कि देश एक निशान-एक प्रधान-एक विधान से चलना चाहिए। हमारा प्रदेश भी इसी महीने समान नागरिक संहिता (ष्ट्ट) लागू करने की ओर बढ़ रहा है। इससे स्पष्ट है कि विधानसभा के 24 जुलाई तक चलने वाले मानसून सत्र में इसे पारित करा लिया जाएगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर घोषणा

समिति का कार्यकाल बढ़ा

यूसीसी के लिए गठित समिति का कार्यकाल पहले 26 जून को समाप्त हो गया था। अब इसे तकनीकी कारणों से 26 जुलाई तक बढ़ा दिया गया है। समिति से जुड़े सदस्यों के अनुसार, विधानसभा से विधेयक पारित होने के बाद भी समिति की भूमिका समाप्त नहीं होगी। कानून लागू करने के लिए आवश्यक नियम और प्रक्रियाएं तैयार करने का काम भी समिति की निगरानी में होगा। इसी कारण कार्यकाल बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। जानकारी के अनुसार, यूसीसी समिति को प्रदेशभर से 9.5 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। इनमें करीब 4 लाख सुझाव ऑनलाइन और शेष विभिन्न माध्यमों से मिले हैं। समिति इन सभी सुझावों का अध्ययन कर रही है और उपयोगी सुझावों को अंतिम मसौदे में शामिल किया जा रहा है। समिति के आंकड़ों के अनुसार, सुझाव देने वालों में महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही है।

भोपाल को नई पहचान देने वाले इंडस्ट्रियल पार्क का भूमिपूजन

भोपाल को आधुनिक औद्योगिक पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज सतगढ़ी में विकसित किए जा रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर देश-प्रदेश के कई उद्योगपति, निवेशक और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। लगभग 173 एकड़ क्षेत्र में विकसित स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क की इस परियोजना में आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना, उत्कृष्ट सड़क एवं परिवहन संपर्क, आईटी एवं एआई आधारित सुविधाएं, लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग कॉम्प्लेक्स और भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। इससे निवेशकों को विश्वस्तरीय औद्योगिक वातावरण उपलब्ध होगा। वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर आधारित इस परियोजना में उद्योगों के साथ कौशल विकास, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए आवश्यक सुविधाओं का समन्वित विकास किया जाएगा। इससे 15 हजार से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलने की संभावना रहेगी।

न्यूज विंडो

ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर, नेमार ने लिया रिटायरमेंट

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)। 5 बार का चैंपियन ब्राजील फुटबॉल वर्ल्डकप से बाहर हो गया। नॉर्वे ने आज प्री क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को 2-1 से हराया। नॉर्वे पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। अब उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। इंग्लिश टीम ने मेजबान मैक्सिको को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने इस हार के बाद संन्यास ले लिया। - **विस्तृत खबर पेज-7**

जाति मामले में प्रतिमा बागरी की पेशी आज

भोपाल। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी जाति प्रमाण पत्र के मामले में अपना पक्ष रखने के लिए आज भोपाल में एससी मामलों की छानबीन समिति के सामने प्रस्तुत होंगी। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने छानबीन समिति में शिकायत की थी कि सतना क्षेत्र की अनुसूचित जातियों की सूची में बागरी जाति शामिल नहीं है। वह राजपूत जाति में आती हैं।

दतिया उपचुनाव: अधिसूचना जारी, आज से नामांकन शुरू

दतिया। दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए चुनावी प्रक्रिया का औपचारिक आगाज हो गया है। प्रदेश सरकार ने आज निर्वाचन आयोग की अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित कर दी, जिसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। इच्छुक उम्मीदवार 13 जुलाई तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे।

रीवा : बिझौली में एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पकड़ाई

मऊगंज। रीवा के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिझौली गांव में एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई है। पुलिस ने मौके से करोड़ों रुपये का एमडी ड्रग्स, ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले कैमिकल, एसिड और अन्य उपकरण जब्त किए हैं। फैक्ट्री के साथ ही एक फोर व्हीलर वाहन भी जब्त किया गया है।इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आज का कार्टून

■ पुणे एक्स. वे पर मलबा, मुंबई में स्कूल-कॉलेज बंद, घर में रहने की अपील

■ किश्तवाड़ में पावर प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड, मलबे में दबी गाड़ियां

बारिश का कहर.. मुंबई में लैंडस्लाइड 20 ट्रेनें रद्द, अलर्ट पर कई राज्य

मुंबई/भोपाल, एजेंसी

देश के कई राज्यों में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। महाराष्ट्र में लगातार 3 दिनों से जारी बारिश से भारी नुकसान की खबरें आ रही हैं। मुंबई-पुणे रेल रूट पर आज सुबह करजात-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लइड हो गई। तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। मुंबई में चॉल गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। यह हादसा रविवार रात भारी बारिश के बीच मंडाला इलाके में हुआ, जब तीन मंजिला चॉल का एक हिस्सा अचानक ढह गया।

इधर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। मुंबई में कल से 75 किमी की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं, 142 पेड़ उखड़ गए। बीएमसी ने आज सरकारी, प्राइवेट और नगर निगम के सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है। लोगों से घर में रहने की अपील की गई है। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है।

उधर जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 540 मेगावाट के क्वार पावर प्रोजेक्ट के पास भारी बारिश की वजह से जमीन खिसकने (लैंडस्लाइड) की एक बड़ी घटना सामने आई है।इस भूस्खलन के कारण इलाके में खड़ी कई गाड़ियां भारी मलबे की चपेट में आकर उसके नीचे दब गई हैं। भूस्खलन की इस चपेट में आने से कई वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है और वे अब भी मलबे के नीचे फंसी हुई हैं।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बारिश के बाद लैंडस्लाइड से दबी गाड़ियां।

बालाघाट में नदी में बहे कार-जेसीबी पांदुर्णा में बिजली गिरने से एक की मौत

मध्य प्रदेश के 23 जिलों में आज अति भारी और भारी बारिश का अलर्ट है। बालाघाट में बाघ नदी में कार, जेसीबी और लोडर जैसी गाड़ियां बहती दिखाई दीं। महाराष्ट्र सीमा से लगी बाघ नदी पर पुल बनाया जा रहा है। तकरीबन 150 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1017.24 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। हालांकि, इसे बना रही जयश्री कंस्ट्रक्शन कंपनी से घटना की पुष्टि नहीं हो पाई है। उधर, पांढुर्णा जिले के पगड़ी गांव में बिजली गिरने से 48 वर्षीय सुलोचना तड़ाम की मौत हो गई।

चढ़ावा चोरी के बाद रामलला ट्रस्ट की बैठक आज

चंपत और अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर होगा फैसला

» ट्रस्ट में आ सकते हैं बजरंगलाल बागड़ा

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण सामने आने के बाद आज श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की पहली बैठक होने जा रही है। बैठक का सबसे अहम एजेंडा ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर फैसला होगा। दोनों के इस्तीफे को मंजूरी दी जा सकती है। यह बैठक दोपहर 3 बजे राम जन्म भूमि परिसर में होगी। इस बीच खबर है कि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्रा आज अयोध्या नहीं पहुँच रहे हैं।

विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बजरंगलाल बागड़ा वैदेही भवन पहुंच चुके हैं। उन्होंने यहां कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी से मुलाकात की। चर्चा है कि चंपत राय की जगह इनको राम मंदिर ट्रस्ट में शामिल किया जा सकता है। वे विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री हैं। वह उड़ीसा में नालको के चेयरमैन रहे। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद वह विहिप के राष्ट्रीय मंत्री बने।

उल्लेखनीय है कि छह जून को मामला उजागर होने के बाद ट्रस्ट की मांग पर 13 जून को एसआईटी का गठन किया गया था। 25 जून को एफआईआर दर्ज होने के बाद आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। चढ़ावे की गणना और मंदिर प्रबंधन की जिम्मेदारी चंपत राय और अनिल मिश्रा के पास होने के कारण दोनों शुरू से ही सवालों के घेरे में रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में दोनों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद ट्रस्ट सदस्य निर्णय लेंगे। बैठक में एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट, दान-पात्रों से प्राप्त राशि की गणना व्यवस्था, मंदिर प्रबंधन से जुड़े प्रस्ताव और वित्त वर्ष 2025-26 के ऑडिट पर भी चर्चा होगी।

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर खामेनेई की अंतिम यात्रा में 10 किमी का जुलूस

तेहरान, एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा सुबह तेहरान में शुरू हुई। अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए सुबह से ही लाखों लोग सड़कों पर जुट गए।खामेनेई का पार्थिव शरीर ग्रैंड मोसल्ला से अंतिम यात्रा के लिए रवाना किया गया। यह यात्रा करीब 10 किलोमीटर लंबे रूट से होकर गुजरेगी और इसके 10 से 12 घंटे तक चलने का अनुमान है।अंतिम यात्रा के बाद खामेनेई के पार्थिव शरीर को आगे की धार्मिक रस्मों के लिए कोम ले जाया जाएगा। पूरे मार्ग पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैंऔर बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारी, धार्मिक नेता और सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी यात्रा में शामिल हैं।

बाबा बर्फानी की ऊंचाई 7 से घटकर 1 फुट हुई

» 3 दिन में 56000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, आंकड़ा पिछले साल से 18% ज्यादा

श्रीनगर, एजेंसी

अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार एक फुट रह गया है। 23 मई को बीएसएफ के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था।29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90% गायब हो चुका है।

57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले 3 दिनों में 56 हजार से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले साल से करीब 18.6% ज्यादा रहा। 2025 में पहले तीन दिन में 47,972 श्रद्धालु पहुंचे थे।

48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी।

बौराए से क्यों नजर आ रहे हैं रीवा के कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा?

आशुतोष द्विवेदी, रीवा

विंध्य की राजनीति इन दिनों एक ऐसे विवाद से गर्म है जिसने राजनीतिक भाषा, जनप्रतिनिधियों की मर्यादा और प्रशासन के साथ उनके व्यवहार को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सेमरिया के कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने रीवा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर को लेकर जिस तरह की भाषा का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल किया, उसने राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। किसी अधिकारी को कथित तौर पर 'हर प्लेट पर मुंह मारने वाला टॉमी', 'टपोरी' और 'छोटी सोच का व्यक्ति' जैसे विशेषणों से संबोधित करना क्या एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि की भाषा हो सकती है?

अभय मिश्रा ने यह भी कहा कि रीवा में कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी से लेकर आईजी गौरव राजपूत तक सभी अधिकारी उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और केवल जिला पंचायत सीईओ ही ऐसी 'मछली' हैं, जो पूरे तालाब को गंदा कर रही है। उनकी इस टिप्पणी से स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर सीईओ से विधायक की नाराजगी की असली वजह क्या है? यदि जिला पंचायत में कमीशनखोरी हो रही है या एजेंटों के माध्यम से काम कराए जा रहे हैं, जैसा कि विधायक आरोप लगा रहे हैं, तो ये बेहद गंभीर आरोप हैं। इनकी निष्पक्ष जांच होनी ही चाहिए। विधायक के पास यदि इन आरोपों से जुड़े तथ्य और प्रमाण हैं तो उन्हें जांच एजेंसियों और सरकार के सामने रखा जाना चाहिए। दोषी कोई भी हो, कार्रवाई से बचना नहीं चाहिए। लेकिन गंभीर आरोपों के साथ सार्वजनिक मंच से अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल आरोपों की गंभीरता को मजबूत करने के बजाय कई बार उन्हें राजनीतिक विवाद में बदल देता है।

अभय मिश्रा

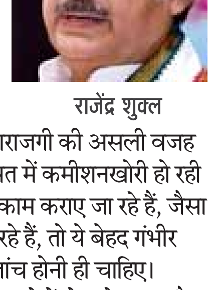

राजेंद्र शुक्ल

अभय मिश्रा की राजनीतिक यात्रा भी उनके मौजूदा तेवरों के संदर्भ में सवालों से परे नहीं है। वर्ष 2008 से पहले कांग्रेस से जुड़े रहे और जनपद अध्यक्ष बने। इसके बाद भाजपा का दामन थामा और सेमरिया से विधायक बने। वर्ष 2013 में राजनीतिक परिस्थितियां बदलीं तो उनकी पत्नी नीलम मिश्रा भाजपा के टिकट पर विधायक बनीं। वर्ष 2018 में अभय मिश्रा कांग्रेस में लौटे और रीवा विधानसभा सीट से राजेंद्र शुक्ल को चुनौती दी, लेकिन करीब अठारह हजार मतों से चुनाव हार गए।

वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर उनकी भाजपा में वापसी की चर्चाएं और राजनीतिक गतिविधियां सामने आईं। सेमरिया से टिकट का समीकरण उनके पक्ष में नहीं बना और अंततः कांग्रेस ने उन्हें उम्मीदवार बनाया। वे बेहद करीबी मुकाबले में करीब छह सौ मतों के अंतर से विधायक निर्वाचित हुए।

यही राजनीतिक यात्रा अब उनके विरोधियों को यह सवाल उठाने का अवसर देती है कि अभय मिश्रा की राजनीति में विचारधारा ज्यादा महत्वपूर्ण रही है या राजनीतिक संभावनाएं? दल बदलना भारतीय राजनीति में कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब कोई नेता बार-बार अलग-अलग राजनीतिक खेमों में दिखाई देता है तो उसकी राजनीतिक प्रतिबद्धता पर सवाल उठना भी स्वाभाविक है।

प्रदेश में भाजपा की सरकार है। रीवा की राजनीति में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का प्रभाव किसी से छिपा नहीं है। ऐसे में अभय मिश्रा के लगातार आक्रामक तेवरों को केवल प्रशासनिक भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई मान लिया जाए या इसके पीछे रीवा की अपनी राजनीतिक खींचतान भी है, यह सवाल अब राजनीतिक गलियारों में पूछा जाने लगा है।

सवाल यह नहीं है कि विधायक को किसी अधिकारी की आलोचना करने का अधिकार है या नहीं। जनप्रतिनिधि का दायित्व ही है कि वह प्रशासन की गड़बड़ियों पर सवाल उठाए। लेकिन भाषा की मर्यादा को ताक पर रखना जरूरी है? इसी के साथ रीवा की राजनीति में इन दिनों यह सवाल तैर रहा है...आखिर अभय मिश्रा इतने बौराए से क्यों नजर आ रहे हैं?

न्यूज विंडो

जनता के बीच उतरी कांग्रेस, 'मेरा शहर-मेरी जिम्मेदारी' अभियान का आगाज

गंजबासौदा। शहर की बदहाल मूलभूत व्यवस्थाओं और नागरिकों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने रविवार से 'मेरा शहर-मेरी जिम्मेदारी' अभियान की शुरुआत वार्ड क्रमांक-2 से की। अभियान के तहत अलग-अलग स्थानों पर जन चौपाल आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी गईं और उनके समाधान के लिए प्रशासन तक आवाज पहुंचाने का संकल्प लिया गया। खारे कुआं वाली गली, पुरानी कल्हारी के पास तथा हनुमान मंदिर के समीप आयोजित जन चौपाल में बड़ी संख्या में वार्डवासियों ने भाग लिया।

इस दौरान लोगों ने पेयजल, सड़क, नाली, सफाई, स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी के साथ-साथ स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की। अभियान के दौरान प्राप्त सभी शिकायतों का विधिवत संकलन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि समस्याओं की सूची तैयार कर प्रशासन को सौंपी जाएगी और प्राथमिकता के आधार पर उनके समाधान की मांग की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले संवाद और लोकतांत्रिक तरीके से समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जाएगा, लेकिन यदि प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई नहीं की तो कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी। जन चौपाल में नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास, अनिल पाठक, रामकिशन शर्मा, भगवत चतुर्वेदी, कबली जैन, आदिल खान, अमित बघेल, प्रियांशु शर्मा, अभिषेक, चंकी, सत्यम सहित कांग्रेस कार्यकर्ता, युवा साथी एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

आलू से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा, ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर के करेली थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर सोमवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। बरमान और लिंगा के बीच आलू से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, ट्रक सड़क के साइड सोल्डर पर फिसल गया था। इसके कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक पलट गया। हादसे में ट्रक चालक को गंभीर चोटें आईं, जबकि हेल्पर को मामूली खरोंचें आईं। सूचना मिलते ही तीतर पानी टोल की एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद नरसिंहपुर जिला अस्पताल भेजा गया।

यह ट्रक आगरा से बेंगलुरु जा रहा था। हादसे के कारण ट्रक को नुकसान पहुंचा है। साथ ही, ट्रक में लदे आलू भी बड़ी मात्रा में पास के खेत में बिखर गए। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, हादसे में लाखों रुपए के नुकसान की आशंका है।

आठ महीने की प्रेग्नेंट महिला को सांप ने डसा:12 घंटे बाद आया होश

धार। मनावर के पास ग्राम दाभड़ में शनिवार रात एक प्रेग्नेंट महिला को सांप ने डस लिया। आठ महीने की गर्भवती बबीताबाई पति मोहन को जहरीले सांप ने काट लिया था। सांप के काटने के कुछ ही देर बाद महिला बेहोश हो गई। परिजनों ने तुरंत मनावर के सिंघाना मार्ग स्थित पार्वती हॉस्पिटल पहुंचाया। डॉक्टर के.सी. राणे ने बताया कि जब महिला को लाया गया, तब हालत बेहद गंभीर थी। उनका एसपीओ से कम था और पल्स व ब्लड प्रेशर का कोई पता नहीं चल रहा था। उन्हें तुरंत वेंटिलेटर पर रखा गया।

डॉक्टर ने बताया कि महिला के गर्भ में आठ महीने का शिशु भी पल रहा था। एक तरफ मां की जान बचानी थी और दूसरी तरफ गर्भस्थ शिशु को भी सुरक्षित रखना था। जो बेहद चुनौतीपूर्ण था। अस्पताल में लगातार निगरानी और एंटी-स्नेक वेनम के इलाज के बाद, महिला को 12 घंटे बाद होश आया। डॉक्टर ने बताया कि अब मां और गर्भस्थ शिशु दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। डॉक्टर ने बारिश के दिनों में सांप के काटने की घटनाओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि बारिश में सांपों के बिलों में पानी भर जाता है, जिससे वे सुरक्षित और सूखे स्थानों की तलाश में बाहर निकलते हैं। इस दौरान उनका इंसानों से आमना-सामना बढ़ जाता है, जिससे सांप काटने की घटनाएं अधिक होती हैं। उन्होंने आगे कहा कि बारिश में उन्हें खुले में भोजन नहीं मिलता, इसलिए वे चूहों और कीड़ों के पीछे-पीछे इंसानी बस्तियों तक पहुंच जाते हैं।

70 छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार की दी गई जानकारी

कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 24 जून से 8 जुलाई तक संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस विभाग एवं ग्रामीण विकास समिति तेंदूखेड़ा के संयुक्त तत्वावधान में आज कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास, तेंदूखेड़ा में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित करना था।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान

कार्यक्रम में छात्रावास की लगभग 70 छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीओपी अर्चना अहीर ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को झांसे में लेकर आर्थिक और व्यक्तिगत नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक, मैसेज या फोन कॉल पर बिना पुष्टि किए विश्वास न करें। किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी, बैंक खाता नंबर, एटीएम कार्ड की जानकारी, सीवीवी, पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने बताया कि शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने, बैंक केवाईसी अपडेट करने, लॉटरी, इनाम, नौकरी अथवा अन्य आकर्षक प्रस्तावों के नाम पर साइबर ठगी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे मामलों में सतर्क रहना ही सबसे बड़ा बचाव है। थाना प्रभारी सरोज ठाकुर ने छात्राओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप अथवा अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी अनजान व्यक्ति से मित्रता करने, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि, फर्जी कॉल, मैसेज या साइबर ठगी का सामना हो तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। उन्होंने छात्राओं को साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी। ग्रामीण विकास समिति के धरमदास पाल ने कहा कि साइबर अपराध का शिकार होने पर डरने या घटना को छिपाने के बजाय तत्काल अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा पुलिस को इसकी जानकारी दें। समय पर शिकायत दर्ज कराने से साइबर अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई संभव होती है और कई मामलों में आर्थिक नुकसान की भरपाई भी कराई जा सकती है। उन्होंने छात्राओं से डिजिटल दुनिया में सजग और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं, ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के उपायों तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराध से संबंधित विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से जागरूक किया गया और छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्रावास अधीक्षक रजनी जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं को डिजिटल युग की चुनौतियों से सुरक्षित रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर प्रधान आरक्षक ब्रजेश तिवारी, आरक्षक विशाल बेन, विजय दीक्षित, रौनक पटेल, ग्रामीण विकास समिति के राजेश सिंह, ज्योति रेकवार सहित छात्रावास का समस्त स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

हत्या के प्रयास के मामले में जिपं सदस्य दो साल बाद गिरफ्तार

केबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने जताई आपत्ति,सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

सागर। सागर जिले की बांदरी थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा नेता सर्वजीत लोधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी को लेकर केबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने सोशल साइट्स पर पोस्ट कर इसे लोधी का अपमान बता कर निंदा की है. पुलिस के अनुसार आरोपी वर्ष 2024 में दर्ज हत्या के प्रयास सहित अन्य गंभीर धाराओं के मामले में फरार चल रहे थे।

मंत्री प्रह्लाद पटेल ने जताई आपत्ति: गिरफ्तारी के बाद प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि जिला पंचायत सदस्य सर्वजीत सिंह की गिरफ्तारी दुर्भाग्यपूर्ण है। उनका कहना है कि दो वर्षों तक मामले को लंबित रखने के बाद की गई यह कार्रवाई उन्हें अपमानित करने का प्रयास प्रतीत होती है।

यह है मामला

बांदरी थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि वर्ष 2024 में थाना क्षेत्र स्थित सौरभ ढाबा पर फायरिंग और मारपीट की घटना के बाद सर्वजीत लोधी एवं अन्य आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश लगातार की जा रही थी और अब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

रात के अंधेरे में सीसी रोड के निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार का हो रहा बड़ा खेल

उमरिया, दोपहर मेट्रो। जिले की नगर परिषद नौरोजाबाद में विकास के नाम पर जनता की गाढ़ी कमाई को ठिकाने लगाने और सरकारी राशि का खुलेआम बंदरबांट करने का मामला सामने आया है। नगर के वार्ड क्रमांक 07, 08, 12, 13 और 11 तक पांच नंबर गेट टीटीसी के पास लगभग 50 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद मुख्य मार्ग पर 4 करोड़ रुपये की लागत से सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन विकास की इस महत्वाकांक्षी योजना को ठेकेदार और भ्रष्ट तंत्र की जुगलबंदी ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया है।

इस गंभीर मामले का खुलासा पार्षद सुभाष नारायण सिंह (एडवोकेट) द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी को सौंपे गए शिकायत पत्र से हुआ है, जिसकी प्रतियां सामने आई हैं। पत्र के अनुसार, ठेकेदार निहित कंस्ट्रक्शन (प्रोपराइटर - निहित गौतम, रीवा) द्वारा इस मुख्य सड़क का निर्माण दिन के उजाले में न कर रात के घने अंधेरे में, यानी रात 1 बजे से सुबह 6 बजे तक कराया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसी क्या वजह है जिसे दिन के उजाले में छिपाने की कोशिश की जा रही है? रात्रिकालीन निर्माण के दौरान परिषद का कोई जिम्मेदार अधिकारी, उपयंत्री (इंजीनियर) या कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं रहता। अधिकारियों की इस अनुपस्थिति का फायदा उठाकर ठेकेदार द्वारा घटिया और गुणवत्ताहीन सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है।

48 बोरी की जगह सिर्फ 25 बोरी सीमेंट का खेल: शिकायत में तकनीकी तथ्यों का भी उल्लेख किया गया है। नियमों के अनुसार, पेवर मशीन से सीसी रोड के टॉप लेयर निर्माण में प्रति 4 घनमीटर (क्यूबी) पर 48 बोरी सीमेंट का उपयोग किया जाना चाहिए, लेकिन आरोप है कि ठेकेदार केवल 25 से 26 बोरी सीमेंट का ही उपयोग कर रहा है। यानी आधे से भी कम सीमेंट डालकर निर्माण कार्य किया जा रहा है।

इसके अलावा, नियमानुसार टॉप लेयर का कार्य सेल्फ-लोडिंग मशीन से किया जाना चाहिए, लेकिन ठेकेदार केवल साधारण वाइब्रेटर चलाकर खानापूर्ति कर रहा है।

तकनीकी मानकों की अनदेखी

सड़क निर्माण के तकनीकी मानकों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है। नियमों के अनुसार सीसी सड़क के बेस में निर्धारित मानकों के तहत गिट्टी, रेत, सीमेंट और अन्य सामग्री का मिश्रण आवश्यक होता है, लेकिन निर्माण में इन मानकों का पालन नहीं किया जा रहा। इतना ही नहीं, सड़क के बेस के ऊपर माइक्रोन प्लास्टिक शीट (पन्नी) बिछाना अनिवार्य है, ताकि कंक्रीट का पानी नीचे न जाए और सड़क की मजबूती बनी रहे। आरोप है कि बिना पन्नी बिछाए ही सीधे टॉप लेयर डालकर सड़क निर्माण किया जा रहा है। साथ ही सड़क की मोटाई भी निर्धारित मानकों से कम रखी जा रही है, जिससे यह सड़क कुछ ही महीनों में टूटकर बिखर सकती है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण का संकल्प लें : सांसद दर्शन सिंह चौधरी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती स्मरण पक्ष के तहत रविवार को नर्मदापुरम के परमशी गार्डन में भारतीय जनता पार्टी का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा आंवले का पौधारोपण और वंदे मातरम् के साथ हुई। सम्मेलन में वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में योगदान और उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 'राष्ट्र प्रथम' का संकल्प, अखंड भारत का स्वप्न और जनसेवा का आदर्श आज भी प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने डॉ. मुखर्जी के उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री और संविधान सभा के सदस्य के रूप में दिए गए योगदान का भी उल्लेख किया।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि भाजपा त्याग, तपस्या, राष्ट्रभक्ति और बलिदान की विचारधारा पर आधारित संगठन है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और भारतीय जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रवादी राजनीति को नई दिशा दी।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने शिक्षा, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक गौरव के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

1283 बूथों पर मनाई जाएगी जयंती

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अमित महाला ने बताया कि 6 जुलाई को जिले के सभी 1283 बूथों पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई जाएगी। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन, विचारों और सिद्धांतों से कार्यकर्ताओं को अवगत कराएंगे।

वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने कहा कि भाजपा का इतिहास संघर्ष, त्याग और संगठन की शक्ति का इतिहास है तथा कार्यकर्ताओं के समर्पण के कारण ही पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। कार्यक्रम में विधायक विजयपाल सिंह, प्रेमशंकर वर्मा, ठाकुरदास नागवंशी, शिव चौबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अखिलेश खंडेलवाल, सविता दीवान शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष माधवदास अग्रवाल, संतोष पारिक, मुकेश चंद्र मैना, ज्योति चौरे, कुंवर सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन जिला महामंत्री मुकेश चंद्र मैना ने तथा आभार जिला उपाध्यक्ष लोकेश तिवारी ने व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर | रविवारीय हाट में प्रशासन की सख्ती

सड़क घेरने वालों पर होगी जुर्माना और जब्ती की कार्रवाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शहर के रविवारीय हाट को व्यवस्थित करने और यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए रविवार को प्रशासनिक और नगर पालिका का अमला सड़कों पर उतरा। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख, तहसीलदार सरिता मालवीय एवं नगर पालिका की टीम ने बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर सड़क किनारे अतिक्रमण कर ठेले लगाने वाले फल एवं सब्जी विक्रेताओं को हटाकर निर्धारित स्थानों पर पहुंचाया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कोई विक्रेता दोबारा सड़क पर अतिक्रमण कर मार्ग अवरुद्ध करता है या गंदगी फैलाता है, तो उसके खिलाफ जुर्माना लगाने के

साथ सामग्री जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि बाजार क्षेत्र में यह अभियान अब नियमित रूप से प्रतिदिन चलाया जाएगा। नगर पालिका की राजस्व शाखा के आरएसआई शेख अकबर ने बताया कि सीएमओ वैभव देशमुख के निर्देश पर दिनभर नगर पालिका की टीम विशेष रूप से कोठी बाजार स्थित सब्जी मंडी में तैनात रही। टीम ने जेल रोड, पुलिस लाइन के सामने और होमगार्ड कार्यालय तिराहे के पास सड़क किनारे लगे फल एवं सब्जी के ठेलों को हटाकर निर्धारित स्थानों पर शिफ्ट कराया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रही।

कार्रवाई के दौरान बाजार क्षेत्र में मुनादी कराकर दुकानदारों और ठेला संचालकों को सड़क पर अतिक्रमण न करने और स्वच्छता बनाए रखने की समझाइश भी दी गई।

इस अभियान में राजस्व शाखा के आरएसआई शेख अकबर, ब्रजेश सारवान, दिलावर बेग, शेख सिकंदर, सुनील अवस्थी, राजेश दीवान सहित नगर पालिका का राजस्व अमला मौजूद रहा।

जामनझिरी के जंगलों में दफनाया गया भ्रूण निकाला बाहर, जांच शुरू

धार। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में दर्ज एक अत्यंत गंभीर आपराधिक मामले की जांच के सिलसिले में महाराष्ट्र की पुलिस धार जिले के धामनोद थाना क्षेत्र पहुंची। महाराष्ट्र पुलिस की टीम स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और धामनोद पुलिस के सहयोग से धामनोद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जामनझिरी के जंगलों (गणेश घाट से पहले) पहुंची, जहां करीब एक फीट गहराई में दफन किए गए एक भ्रूण को जमीन से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मौके पर ही आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर साक्ष्य सुरक्षित कर लिए हैं।

20 दिन पहले दफनाया गया था भ्रूण: मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरे सनसनीखेज मामले का मुख्य आरोपी भूषण, पिता गोकुल धनगर, निवासी गोरगांवले (तहसील चोपड़ा, जिला जलगांव, महाराष्ट्र) है। जलगांव जिले के थाना अडावद में आरोपी के खिलाफ एक गंभीर प्रकरण दर्ज है। विवेचना के दौरान यह बात सामने आई कि आरोपी ने एक नाबालिग पीड़िता के साथ संबंध बनाए थे, जिससे वह गर्भवती हो गई थी।

अद्भुत है विश्व धरोहर की दौड़ में शामिल मांडू का ऐतिहासिक जहाज महल...

कदम रखते ही गायब हो जाता है मोबाइल नेटवर्क, परेशान हो रहे पर्यटक

मांडू, दोपहर मेट्रो

विश्व धरोहर की दौड़ में शामिल मांडू का ऐतिहासिक जहाज महल अपनी स्थापत्य कला से देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है, लेकिन महल परिसर में प्रवेश करते ही पर्यटक दुनिया से कट जाते हैं। यहां न मोबाइल नेटवर्क मिलता है, न इंटरनेट और न ही गूगल मैप काम करता है। ऐसे में यदि किसी पर्यटक की तबीयत बिगड़ जाए, कोई दुर्घटना हो जाए या परिवार से संपर्क करना हो तो स्थिति गंभीर हो सकती है। स्थिति यह है कि संस्कृति मंत्रालय और बीएसएनएल की ओर से शुरू की गई डिजिटल हेरिटेज योजना के तहत बनाया गया फ्री वाई-फाई जोन भी अब बंद पड़ा है। उद्देश्य था कि पर्यटकों को बेहतर इंटरनेट सुविधा मिले, वे महल के इतिहास की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकें और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से मांडू का प्रचार-प्रसार हो, लेकिन यह योजना कुछ समय बाद ही दम तोड़ गई।

हजारों पर्यटक प्रतिदिन होते हैं प्रभावित

जहाज महल को अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त है। यहां प्रतिदिन देश-विदेश से हजारों पर्यटक, विदेशी प्रतिनिधिमंडल, इंटरनेट मीडिया कंटेंट क्रिएटर और इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर पहुंचते हैं। अधिकांश पर्यटक स्मार्टफोन के जरिए फोटो, वीडियो, लाइव स्ट्रीम और लोकेशन साझा करना चाहते हैं, लेकिन नेटवर्क नहीं मिलने से ऐसा संभव नहीं हो पाता। स्थानीय लोगों का कहना है कि योजना शुरू होने के समय इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, लेकिन बाद में इसके रखरखाव और संचालन पर ध्यान नहीं दिया गया।

दो घंटे तक आउट ऑफ नेटवर्क रहते हैं पर्यटक

जहाज महल समूह में तवेली महल, शाही परिसर, हिंडोला महल, चंपा बावड़ी और नाहर झरोखा सहित कई ऐतिहासिक स्मारक शामिल हैं। इनका भ्रमण करने में सामान्यतः दो घंटे या उससे अधिक समय लगता है। इस दौरान पूरे परिसर में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की समस्या बनी रहती है। कई पर्यटक असुविधा के कारण भ्रमण बीच में ही छोड़कर लौट जाते हैं। सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा को लेकर है। यदि किसी पर्यटक के साथ दुर्घटना हो जाए या स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति उत्पन्न हो जाए तो तत्काल संपर्क नहीं हो पाने से हालात गंभीर हो सकते हैं।

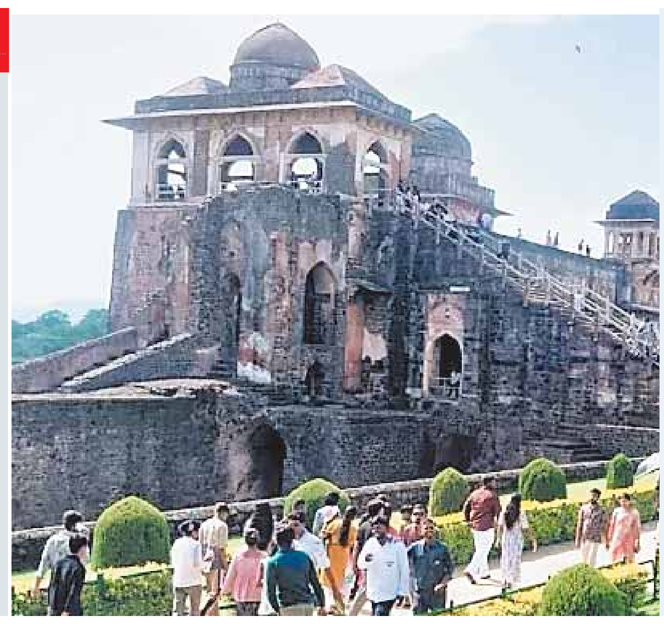

क्यों जरूरी है डिजिटल कनेक्टिविटी?

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा- यदि महल परिसर में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध हो तो पर्यटक तुरंत फोटो, वीडियो, रील और लाइव लोकेशन साझा कर सकेंगे। इससे मांडू का वैश्विक स्तर पर निःशुल्क प्रचार होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

आपात स्थिति में मिलेगी मदद

दुर्घटना, स्वास्थ्य समस्या या रास्ता भटकने जैसी परिस्थितियों में तत्काल कॉल या संदेश भेजना संभव होगा, जिससे समय पर सहायता मिल सकेगी।

डिजिटल गाइड और इतिहास- वाई-फाई सुविधा के माध्यम से पर्यटक क्यूआर कोड स्कैन कर स्मारकों का इतिहास, ऑडियो गाइड, 3डी मॉडल और बहुभाषी जानकारी अपने मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे।

डिजिटल भुगतान होगा आसान

प्रवेश टिकट, गाइड शुल्क और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी यूपीआई एवं अन्य डिजिटल माध्यमों से आसानी से हो सकेगी, जिससे डिजिटल इंडिया अभियान को भी मजबूती मिलेगी।

86 हजार क्विंटल अनाज खरीदी के बाद गोदाम नहीं पहुंचा, जांच शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश में गेहूं परिवहन को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। समर्थन मूल्य पर खरीदा गया करीब 86 हजार क्विंटल गेहूं गोदामों तक नहीं पहुंचा। इसकी अनुमानित कीमत करीब 23 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मामला सामने आने के बाद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, विभिन्न खरीदी केंद्रों से गोदामों तक भेजे जाने वाले 86 हजार क्विंटल गेहूं में से बड़ी मात्रा का रिकॉर्ड मेल नहीं खा रहा है। विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि परिवहन के दौरान गेहूं कहां और किस स्तर पर गायब हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक सबसे अधिक गेहूं सागर जिले से गायब बताया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के गोविंद सिंह सागर से आते हैं। यहां करीब 14 हजार क्विंटल गेहूं का रिकॉर्ड नहीं मिल रहा। इसके अलावा जबलपुर से 13 हजार क्विंटल, नरसिंहपुर से 7,300, विदिशा से 6,300, सतना से 5 हजार , आगर मालवा से 4,700, उज्जैन से 3,600 , राजगढ़ और शाजापुर से 3-3 हजार, रीवा से 2,800, रायसेन से 2,300, सिवनी से 2 हजार और अशोकनगर से 1,500 क्विंटल गेहूं की कमी दर्ज की गई है। सरकारी व्यवस्था के तहत खरीदी केंद्रों से गेहूं गोदामों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसियों और परिवहन व्यवस्था की होती है।

राम भरोसे चल रहे भोपाल के 555 सरकारी स्कूल

कहीं दीवारों में दरार, कहीं किचन बना क्लासरूम, जर्जर छतों के नीचे पढ़ाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों में बारिश सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा की परीक्षा बन गई है। जिले में कहीं दीवारों में चौड़ी दरारें हैं, कहीं छज्जे टूटकर गिरने की स्थिति में हैं, कहीं बारिश का पानी भवन की नींव कमजोर कर रहा है तो कहीं जर्जर भवन तोड़ देने के बाद बच्चे रसोईघर में बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। शिक्षा विभाग की फाइलों में मरम्मत के प्रस्ताव जरूर हैं, लेकिन जमीन पर तस्वीर यह है कि 555 स्कूल आज भी मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं।

हाल ही में सिरोंज के गोपाल नगर माध्यमिक विद्यालय में छत का प्लास्टर गिरने से छात्रा घायल होने की घटना के बाद यह सवाल और गंभीर हो गया है कि आखिर बच्चों को सुरक्षित स्कूल कब मिलेंगे। हालांकि विभागीय अधिकारी मरम्मत का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजने की बात कह रहे है लेकिन राशि कब आएगी और मरम्मत कब होगी। इसका जवाब उनके पास भी नहीं है।

दो साल पहले भी सामने आई थी यही तस्वीरजिले में दो वर्ष पहले कराए गए सर्वे में 1195 स्कूल भवन जर्जर पाए गए थे। इनमें से सबसे खराब स्थिति वाले स्कूलों के लिए मरम्मत का प्रस्ताव भेजा गया, लेकिन केवल 95 स्कूलों के लिए राशि स्वीकृत हुई। उसमें भी अब तक 73 स्कूलों को आंशिक राशि ही मिल सकी है। बाकी भवन आज भी मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं।

555 स्कूलों का प्रस्ताव, लेकिन काम शुरू नहीं

इस वर्ष भी जिला शिक्षा केंद्र ने 555 स्कूलों की मरम्मत के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा है। इनमें छत, दीवार, फर्श, प्लास्टर, छज्जे और अन्य आवश्यक सुधार कार्य शामिल हैं। हालांकि अब तक राशि स्वीकृत नहीं हुई है, जिससे बरसात के बीच कोई काम शुरू नहीं हो पाया। हर साल बारिश के दौरान स्कूल भवनों से जुड़े हादसे सामने आते हैं। इसके बावजूद मरम्मत की प्रक्रिया इतनी धीमी है कि कई स्कूल पूरे सत्र तक जर्जर हालत में ही संचालित होते रहते हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि मरम्मत का बजट बारिश शुरू होने से पहले उपलब्ध होना चाहिए, ताकि जोखिम वाले भवनों को समय रहते सुरक्षित बनाया जा सके। फिलहाल जिले के सैकड़ों स्कूलों में बच्चे हर दिन इसी उम्मीद के साथ कक्षा में बैठ रहे हैं कि अगली बारिश उनके स्कूल की कमजोर छत और दीवारों की अग्निपरीक्षा न बन जाए।

फैक्ट फाइल

- 2029 स्कूल भवन है जिले में
- 208 भवनों में संचालित होते है हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल
- 555 स्कूलों की मरम्मत का प्रस्ताव लंबित
- 1195 स्कूल दो वर्ष पहले जर्जर मिले थे
- 95 स्कूलों को ही मरम्मत की स्वीकृति मिली
- 73 स्कूलों को आंशिक राशि जारी हुई
- 1.5 लाख रुपये हिरनई की स्कूल प्रभारी अपने स्तर पर खर्च कर चुकी हैं

116 नए पदों पर भर्ती भी होगी

10 साल बाद एमएसएमई विभाग में 217 कर्मचारियों का प्रमोशन, आदेश जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश सरकार द्वारा लंबे समय बाद विभागीय पदोन्नतियों की प्रक्रिया तेज किए जाने के बीच सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग ने 217 कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। विभाग ने रविवार को पदोन्नति आदेश जारी कर दिए। इन पदोन्नतियों के बाद सीधी भर्ती के 116 नए पद भी रिक्त हो गए हैं, जिन पर जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के बाद उद्योग संचालनालय के विभिन्न संवर्गों की विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक त्वरित रूप से आयोजित की गई। इसके आधार पर 5 जुलाई को कुल 217 पदों पर पदोन्नति आदेश जारी किए गए। इनमें अधीक्षक का 1, सहायक अधीक्षक के 3, सहायक वर्ग-1 के 43, सहायक वर्ग-2 के 131, सहायक वर्ग-3 के 14 तथा निज सहायक के 25 पद शामिल हैं।

116 नए पदों पर जल्द शुरू होगी भर्ती- विभाग का कहना है कि पदोन्नति के बाद सीधी भर्ती के 116 नए पद उपलब्ध हो गए हैं। इन पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। इससे विभाग में लंबे समय से रिक्त पदों को भरने का रास्ता साफ होगा और नए अभ्यर्थियों को रोजगार का अवसर मिलेगा।

कर्मचारियों को 10 साल बाद मिली पदोन्नति

एमएसएमई विभाग में करीब एक दशक बाद बड़े पैमाने पर पदोन्नतियां होने से कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। विभागीय कर्मचारी और कर्मचारी संगठनों ने पदोन्नति आदेश जारी होने पर राज्य सरकार के प्रति आभार जताया है। लंबे समय से लंबित पदोन्नति का इंतजार कर रहे कर्मचारियों को इससे बड़ी राहत मिली है।

अधिकारियों की डीपीसी भी जल्द

विभाग ने अधिकारियों की विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की तैयारी भी पूरी कर ली है। अधिकारियों की पदोन्नति के लिए जल्द ही मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से डीपीसी बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव है। इसके बाद अधिकारियों की पदोन्नति प्रक्रिया भी आगे बढ़ेगी।

दिग्विजय ने मोहन भागवत को पदयात्रा का दिया न्योता, बोले-

धर्म की रक्षा के लिए संघ-वीएचपी करें समर्थन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत को अपनी प्रस्तावित पदयात्रा में शामिल होने का सार्वजनिक निमंत्रण देकर प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मोहन भागवत से 2 अक्टूबर 2026 को उज्जैन से शुरू होने वाली पदयात्रा में शामिल होने का आग्रह किया। साथ ही आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) से भी इस यात्रा का समर्थन करने की अपील की।

दिग्विजय सिंह ने अपने पोस्ट में लिखा, धन्यवाद मोहन भगवत जी। धर्म की रक्षा करने के लिए और धर्म को चंदा चोरों से बचाने के लिए आरएसएस-

वीएचपी को आगे आकर मेरी महाकाल मंदिर से लेकर राम मंदिर तक की पदयात्रा का समर्थन करना चाहिए। मैं आपसे निजी तौर पर 2 अक्टूबर 2026 को हमारी उज्जैन से अयोध्या तक की पदयात्रा में शामिल होने का निवेदन कर रहा हूँ। जय सिया राम।

दिग्विजय सिंह ने घोषणा की है कि उनकी पदयात्रा 2 अक्टूबर, गांधी जयंती के दिन उज्जैन के महाकाल मंदिर से शुरू होकर अयोध्या के राम मंदिर तक जाएगी।

चंदे और चढ़ावे को लेकर उठाए सवाल

दिग्विजय सिंह ने अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट और उज्जैन के तीर्थ क्षेत्र में चंदे और चढ़ावे में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि धर्मस्थलों की आस्था और श्रद्धालुओं के चंदे की पारदर्शिता सुनिश्चित होना चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर वे यह पदयात्रा निकाल रहे हैं दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए 1.11 लाख रुपये का चंदा दिया था। अब वे कानूनी सलाह लेकर अदालत में याचिका दायर करेंगे, ताकि उनका चंदा वापस मिले। उन्होंने कहा कि यदि चंदा वापस मिलता है तो वह राशि रामालय ट्रस्ट को सौंप देंगे।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तीसरा चरण 13 जुलाई से

भोपाल। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है। इसी कड़ी में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी पशुपालकों के घर पहुंचेंगे और नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन के बारे में जानकारी देंगे। तीसरे चरण में 3 से 4 पशु (गौवंश एवं भैंसवंश) रखने वाले पशुपालकों के यहां प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा घर जाकर भेंट की जाएगी। नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य विषय पर जागरुक किया जाएगा।

एमपी में कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती पर बवाल

एससी-एसटी पदों के आवंटन में भारी गड़बड़ी का आरोप, मुख्यमंत्री तक पहुंच गया मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा समूह-2, उपसमूह-1 के तहत कृषि विस्तार अधिकारी के 2784 पदों पर निकाली गई भर्ती प्रक्रिया शुरू होते ही विवादों के घेरे में आ गई है। आगामी 17 जुलाई तक चलने वाली इस आवेदन प्रक्रिया के बीच आरक्षित पदों के अनुचित निर्धारण को लेकर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के युवाओं में भारी आक्रोश है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि जारी विज्ञापन में तय आरक्षण नियमों को ताक पर रखकर पदों का वर्गीकरण किया गया है, जिसमें तत्काल संशोधन की आवश्यकता है।

आरक्षण प्रतिशत और पदों के आवंटन में बड़ा अंतर

प्रदेश की वर्तमान व्यवस्था के अनुसार, सरकारी नौकरियों में एसटी को 20 प्रतिशत, अनुसूचित जाति (एससी) को 16 प्रतिशत, ओबीसीको 27 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण का कानूनी प्रावधान है। हालांकि, ओबीसी आरक्षण का मामला अदालत में लंबित होने के कारण 14 प्रतिशत पदों पर नियुक्तियां और 13 प्रतिशत पदों को होल्ड पर रखने की व्यवस्था है। विवाद तब गहराया जब कुल 2784 पदों के वर्गीकरण में नियमों की अनदेखी साफ उजागर हुई।

सीएम से हस्तक्षेप की मांग

भर्ती में हुए इस कथित भेदभाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है। मनावर से कांग्रेस विधायक डॉ. हीरालाल अलावा और खरगोन-बड़वानी के कांग्रेस सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। जनप्रतिनिधियों ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि इस त्रुटिपूर्ण विज्ञापन को तुरंत संशोधित कर पदों का पुनर्गठन किया जाए। नेताओं का कहना है कि मध्य प्रदेश एक आदिवासी बहुल राज्य है।

800 करोड़ रुपए के कथित पोषण आहार घोटाले में लोकायुक्त सख्त

तीन विभागों के अधिकारियों को किया तलब

भोपाल। मध्य प्रदेश के चर्चित पोषण आहार के कथित 800 करोड़ रुपये के घोटाले में लोकायुक्त ने सख्त रुख अपनाया है। मामले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के शीर्ष अधिकारियों को 24 अगस्त 2026 को कार्रवाई प्रतिवेदन एक्शन टेकन रिपोर्ट के साथ लोकायुक्त कार्यालय में उपस्थित होने को कहा गया हैं। यह मामला पूर्व विधायक पारस सकलेचा द्वारा वर्ष 2023 में की गई शिकायत से जुड़ा है। शिकायत में महालेखाकार एजी की वर्ष 2018 से 2021 के बीच आठ जिलों में हुई जांच के आधार पर करीब 800 करोड़ रुपये के कथित घोटाले का आरोप लगाया गया था। इसमें तत्कालीन मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, तत्कालीन सीईओ एवं संचालक ललित मोहन बेलवाल सहित अन्य अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की गई थी।

तीन साल में 14 बार मांगी रिपोर्ट-लोकायुक्त कार्यालय के अनुसार, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से महालेखाकार की रिपोर्ट पर की गई कार्रवाई का विवरण मांगने के लिए अब तक 14 पत्र भेजे जा चुके हैं। पहला पत्र 30 अक्टूबर 2023 को और सबसे हाल का पत्र 23 जून 2026 को भेजा गया। इ

मेट्रो एंकर

डिजिटल हुए ब्रह्मचारी, फोटो-पेंटिंग एडिटिंग भी कर रहे

आर्ष गुरुकुल में सीख रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के गुर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आर्ष गुरुकुल में वैदिक शिक्षा के साथ अब आधुनिक तकनीक भी पढ़ाई जा रही है। गुरुकुल में इस साल से छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग सिखाया जा रहा है। परिसर में वाई-फाई लगाया गया है। शिक्षक और प्राचार्य मोबाइल का उपयोग करते हैं, लेकिन छात्रों को मोबाइल रखने की अनुमति नहीं है। छात्र कंप्यूटर कक्ष में एआई और कंप्यूटर की ट्रेनिंग लेते हैं।

कक्षा 12 के ब्रह्मचारी वीर ने बताया कि रोज एआई और चैटजीपीटी के जरिए सवालों के जवाब और

जानकारी लेना सिखाया जाता है। सुदामा आर्य ने कहा कि गूगल सर्च से विषयों पर सामग्री जुटाकर पढ़ाई में मदद मिलती है। आशीष आर्य के अनुसार एआई से फोटो और पेंटिंग एडिटिंग जैसे काम भी समझाए जा रहे हैं। शिक्षक बालकृष्ण दुबे ने बताया कि तकनीकी शिक्षा को पाठ्यक्रम से जोड़ा गया है।

आर्ष गुरुकुल में दी जाती है वैदिक शिक्षा- आर्ष गुरुकुल में वेद, दर्शन, उपनिषद, योग, पुराण, व्याकरण की शिक्षा दी जाती है। शिष्य रोज क्लास में ये विषय सीखते हैं। दिनचर्या सुबह 4 बजे शुरू होती है। रोज यज्ञ होता है। अब धीरे-धीरे आधुनिक और तकनीकी ज्ञान भी सिखाया जा रहा है। गुरुकुल से पढ़कर निकले छात्र वैदिक प्रवक्ता बनते हैं। वे देश-विदेश में प्रवचन देते हैं। वे शिक्षक भी बनते हैं। गुरुकुल मप्र महर्षि पतंजली संस्कृत संस्थान से अटैच है। इससे परीक्षाएं होती हैं।

जम्मू, बिहार के शिष्य भी

प्राचार्य सत्यसिंधु आर्य ने बताया कि जम्मू-कश्मीर, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश से 100 शिष्यों को यहां शिक्षा दी जा रही है। पहले यहां पढ़े शिष्य ऊंचे पदों पर हैं। पवन दवे आर्य दिल्ली में केंद्रीय विद्यालय में शिक्षक हैं। धनंजय आर्य बिहार के सासाराम में केंद्रीय विद्यालय में टीचर हैं। गुरुकुल के ऋचस्पति परिव्राजक ने बताया कि शिष्य गुरुकुल में रहकर पढ़ते हैं। परिजन समय-समय पर उत्सव के दौरान आते हैं। जरूरत होने पर शिष्य घर भी जाते हैं।

समय और जीवन

मनुष्य ने समय को मापने के लिए घड़ी बनाई थी, लेकिन धीरे-धीरे घड़ी ने ही मनुष्य की जीवनशैली तय करनी शुरू कर दी। सुबह अलार्म से शुरू होकर रात मोबाइल की स्क्रीन पर खत्म होने वाला दिन अक्सर इस शिकायत के साथ बीतता है कि 'समय नहीं है।' जबकि सच्चाई यह है कि हमारे पास समय की नहीं, बल्कि उसे सार्थक ढंग से जीने की कमी है। तकनीक ने हमारे काम आसान किए हैं, लेकिन जीवन को सहज नहीं बनाया। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने कई जिम्मेदारियां हल्की कर दीं, फिर भी मन पहले से अधिक व्यस्त और तनावग्रस्त दिखाई देता है। वजह साफ है–हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन स्वयं के लिए समय निकालना भूल गए। घंटों स्क्रीन पर बिताने वाले लोग अक्सर कुछ मिनट अपने विचारों के साथ भी नहीं गुजार पाते। जीवन में बड़ा परिवर्तन हमेशा बड़े फैसलों से नहीं आता। छोटीछोटी आदतें ही व्यक्तित्व को गढ़ती हैं। रोज कुछ नया याद करना, दिमाग को चुनौती देने वाले खेल खेलना, नई किताब या नया संगीत सुनना और किसी पुराने शौक को समय देना मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए व्यायाम। सक्रिय मस्तिष्क ही रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास का आधार बनता है। आज की सबसे बड़ी चुनौती वर्तमान को जीने की है। हम या तो बीते हुए कल की गलतियों में उलझे रहते हैं या आने वाले कल की चिंताओं में। परिणाम यह होता है कि आज की छोटी-छोटी खुशियां हमारी नजरों से ओझल हो जाती हैं। जबकि जीवन का वास्तविक आनंद किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोज मिलने वाले साधारण क्षणों में छिपा होता है। एक पसंदीदा गीत, परिवार के साथ कुछ पल, सुबह की ताजी हवा या दिन में एक मिनट स्वयं के लिए निकाल लेना भी जीवन को हल्का बना सकता है। सकारात्मक सोच भी एक अभ्यास है। यदि हम हर परिस्थिति में यह पूछते रहेंगे कि 'अगर सब गलत हो गया तो?', तो भय ही हमारा साथी बनेगा। लेकिन यदि हम स्वयं से पूछें- 'अगर सब अच्छा हो गया तो?'-तो यही प्रश्न नई संभावनाओं के द्वार खोल देता है। आज जब मानसिक तनाव और अकेलापन तेजी से बढ़ रहे हैं, तब सबसे बड़ी जरूरत अतिरिक्त समय की नहीं, बल्कि बेहतर आदतों की है। समय सभी को बराबर मिलता है; अंतर केवल उसके उपयोग का होता है। जीवन की गुणवत्ता घड़ी की सुइयों से नहीं, बल्कि उन पलों से तय होती है जिन्हें हमने सचमुच जिया हो।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था

नरेंद्र मोदी
भारत के प्रधानमंत्री

आज, 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं। श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35( ) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी।

डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, ''शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।'' कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था। उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का

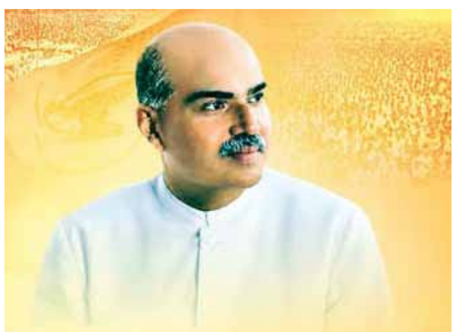

निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न यानि मिट्टी का दीया रखा गया। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें अपने आस- पास के गहरे से गहरे अंधकार को मिटाने की अद्भुत शक्ति होती है। जनसंघ ने अपने सक्रिय काल में और उसके बाद भी बिल्कुल यही किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे। यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया। भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया।

75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली-भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। इतना ही नहीं, 50 वर्ष पहले 42वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर एक बार फिर लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर कुठाराघात किया। डॉ. मुखर्जी अपनी मानवीय संवेदनाओं और सेवाभाव के लिए भी विशेष रूप से जाने जाते हैं। वर्ष 1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि लोगों को भोजन मिल सके, जिसके लिए कई कैंटीन और रिलीफ सेंटर शुरू किए गए। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से बहुत व्यथित थे, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से अत्यंत आक्रोशित भी थे। उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए पंचाशेर मन्वंतर नाम की एक किताब भी लिखी। 1942 में जब मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया, तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों का नेतृत्व किया।

कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था, ''आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो।'' आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

गोहत्या की पक्षधरता: इतिहास, संस्कृति और अतीत को अपमानित करने का कृत्य

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विस के पूर्व अध्यक्ष

तमिलनाडु सरकार भारतीय संस्कृति पर लगातार हमलावर है। हाई कोर्ट के उस फैसले के विरुद्ध राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट गई है, जिसमें कोर्ट ने गोहत्या पर पाबंदी लगाई थी। राज्य सरकार की तरफ से कहा गया है कि गाय वध किए जाने योग्य है। दूसरी तरफ, गाय भारतीय संस्कृति में मां की तरह आदरणीय हैं। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक गाय की प्रतिष्ठा है लेकिन विचारधारा के प्रति दुराग्रही तत्व गोहत्या की बातें करते हैं।

मंत्रों के अर्थार्थ में अपनी-अपनी दृष्टियाँ होती हैं। वैदिक समाज गाय को अघन्या/अवध्य मानता था। ऋग्वेद (1.164.27) में वह अघन्या है (वध न किए जाने योग्य), सौभाग्यदायिनी है। गाय सम्पूर्ण वैदिक साहित्य की श्रद्धा केन्द्र है। अथर्ववेद में वह विराट ब्रह्म है। वह एक सूक्त (9.12) की देवता है, ''गाय का ऊपरी जबड़ा द्युलोक है, निचला पृथ्वी, जीभ विद्युत है, दाँत मरुद्गण हैं, उदर भाग अंतरिक्ष है, दोनों कंधे मित्र और वरुण हैं आदि।'' इसके पहले ऋग्वेद (8.101.215) में कहते हैं, ''यह रुद्रों की माता, वसुओं की दुहिता, आदित्यों की बहन तथा अमृत की नाभि है। यह अवध्य है।'' थोड़े शब्द बदल कर यही मंत्र अथर्ववेद में भी दुहराया गया है। यजुर्वेद भी गाय की महिमा से भरापूरा है। अथर्ववेद (12.4) में गाय को कष्ट पहुँचाने वालों का दण्ड वर्णित है, ''जो गाय के कान को पीड़ा देते हैं वे मानो देवताओं पर प्रहार करते हैं। जो गौ पर परिचय चिह्न बनाते हैं, उनका धन नष्ट होता है। जो साज-सज्जा के लिए गौ बाल काटते हैं इस अपराध कर्म से उनकी संतानें मृत्यु को प्राप्त होती हैं। जिस गोपति के सामने कौआ गाय के बाल नोचता है, उसकी संतानें मर जाती हैं आदि।'' फिर गोहत्या के बारे में (अथर्व 12.9) कहा, ''गौघाती इस लोक और परलोक दोनों में दण्डनीय है।''

भारत में अन्न मांस नहीं था। 10वें मंडल के 27वें सूक्त के मंत्र 17 को भी गोमांस भक्षण के पक्ष में इस्तेमाल किया जाता है। वे मंत्र 17 के 'पीवान मेष' का अर्थ भेड़ का पकाया जाना लगाते हैं। लेकिन लुडविग ने 'पीवान मेष' का अर्थ जल से फूला मेघ किया है। सत्यकेतु विद्यालंकार ने बताया, ''ये मंत्र पहेलियों के रूप में हैं। यहाँ मेष का अर्थ भेड़ न होकर मेघ राशि अभिप्रेत है ... 'पीवानंमेष' का अर्थ मेष राशि के तारा पुंज को चमकाना है।'' (प्राचीन भारतीय इतिहास का वैदिक युग, पृ. 213)

ऋषि इन्द्र से कहते हैं, 'प्रतिदिन पधारो, धाना खाओ।' (ऋ 3.53.7) खेती के देवता पूषन थे। वे 'करम्भ' प्रेमी हैं। मार्क्सवादी विचारक डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया, करम्भ भुना हुआ अनाज था।

करम्भ इन्द्र पूषन सबका प्रिय है। लेकिन घी के साथ मिलाकर तैयार 'अपूप' अन्य देवों के साथ मरुतगण भी खाते हैं। (ऋ 3.52.7) मैकडनल और कीथ ने एक और वैदिक व्यंजन 'पुरोडास' को 'यज्ञ की रोटी' बताया है। ऋषि इन्द्र से कहते हैं, 'प्रार्थना सुनो, पुरोडाइस खाओ।' (ऋ 4.32.16) जो इन्द्र को पुरोडास खिलाता है, उसे इन्द्र पापों से बचाते हैं (ऋ 8.31.2) वैदिक समाज का जौ, धाना, करम्भ, अपूप, पुराडास, दूध और घी प्रेम चारों वेदों में व्याप्त है। गोमांस खिलाने का कहीं जिक्र ही नहीं। गाएं श्रद्धा हैं। अन्न खाद्य है। एक देवता बृहस्पति हैं। उन्होंने गायों को आकाश तक चरने भेजा (ऋ 2.24.14) मैकडनल ने लिखा, 'वह बादलों में जाकर गायों को पुकारते हैं।' (ऋ 10.68.12)

गोहत्या के विरुद्ध भारत में अनेक आंदोलन हुए। गांधीजी ने गोहत्या बंदी को स्वराज का एक अंग बताया। गाय भारतीय अर्थव्यवस्था की माँ है, समाज व्यवस्था और सांस्कृतिक व्यवस्था का श्रद्धा केन्द्र। बावजूद इसके गोहत्या की पक्षधरता है। ऐसे तत्व गोमांस का पक्ष लेकर न जाने कैसा भारत बनाने का ख्वाब देख रहे हैं। अपने इतिहास, संस्कृति और अतीत को अपमानित करने का ऐसा कृत्य निन्दनीय है। विश्व इतिहास में किसी राष्ट्र में ऐसे आत्मघाती विचार नहीं मिलते। यह भारत का अपमान है। सनातन संस्कृति और परम्परा पर बेहूदा प्रहार है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

सभी के लिए फायदेमंद नहीं फास्टिंग, थायरॉइड के मरीजों को हो सकता है नुकसान

इंटरमिटेंट फास्टिंग और लंबे समय तक उपवास रखना आजकल वजन घटाने और बेहतर स्वास्थ्य के लिए एक लोकप्रिय तरीका बन गया है। कई लोग मानते हैं कि फास्टिंग शरीर को डिटॉक्स करने और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करती है। लेकिन, फास्टिंग थायरॉइड हेल्थ को भी प्रभावित कर सकती है। फास्टिंग के दौरान जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में कैलोरी नहीं मिलती है तो ऐसे में थायरॉइड हार्मोन के प्रोडक्शन और एक्टिवेशन में बदलाव आ सकता है। कुछ स्टडीज से पता चलता है कि लंबे समय तक कैलोरी न मिलने या फास्टिंग से टी3 हार्मोन का स्तर कम हो सकता है, जिससे मेटाबॉलिज्म स्लो हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार जब शरीर को पर्याप्त एनर्जी या कैलोरी नहीं मिलती है तो बॉडी एनर्जी स्टोर करने के लिए मेटाबॉलिज्म को स्लो करने की कोशिश करता है। इस प्रतिक्रिया से टी 4 और टी3 हार्मोन के बनने की मात्रा में कमी हो सकती है, क्योंकि टी3 हार्मोन बॉडी द्वारा एनर्जी यूज को कंट्रोल करता है। इसका मतलब यह नहीं है कि फास्टिंग से हर व्यक्ति में थायरॉइड रोग विकसित हो जाएगा, लेकिन पहले से थायरॉइड समस्याओं वाले लोगों में इसके प्रभाव अधिक स्पष्ट हो सकते हैं। शरीर लगातार ऊर्जा की उपलब्धता के आधार पर हार्मोनल बदलाव करता है। जब शरीर को भोजन लंबे समय तक नहीं मिलता, तो शरीर 'सर्वाइवल मोड' में चला जाता है। फास्टिंग थायरॉइड के लक्षणों को कैसे बढ़ा सकती है? यदि किसी व्यक्ति को पहले से हाइपोथायरॉइडिज्म है, तो अत्यधिक या गलत तरीके से की गई फास्टिंग कुछ लक्षणों को बढ़ा सकती है। स्टडी के अनुसार इन लक्षणो को आगे बताया गया है।थायरॉइड हार्मोन पहले से कम होने पर शरीर की ऊर्जा का स्तर प्रभावित रहता है। लंबे समय तक भूखे रहने से थकान और कमजोरी अधिक महसूस हो सकती है। मस्तिष्क को लगातार ग्लूकोज की आवश्यकता होती है। लंबे समय तक भोजन न मिलने और हार्मोनल बदलाव के कारण ध्यान लगाने में कठिनाई हो सकती है। कई लोग वजन घटाने के लिए फास्टिंग करते हैं, लेकिन अत्यधिक कैलोरी कटौती मेटाबॉलिज्म को धीमा कर सकती है, जिससे वजन कम होने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। एनसीबीआई की स्टडी के अनुसार कुछ लोगों को फास्टिंग से बचना चाहिए। जो लोग पहले से ही थायरॉइड की दवा ले रहे हों। प्रेग्नेंट महिलाओं को फास्टिंग से बचना चाहिए। कम वजन वाले व्यक्तियों में अतिरिक्त कैलोरी प्रतिबंध हार्मोनल

सुविचार

बर्बाद समय हमारा भविष्य खराब करता है।

–अज्ञात

निशाना

जुल्म से जुल्म मिटाने..!

दिनेश मालवीय 'अश्क'

जुल्म से जुल्म मिटाने की बात करते हैं
आग से आग बुझाने की बात करते है।
लोग जो मुल्क की ख़ातिर कभी न जी पाये
मुल्क पर जान लुटाने की बात करते हैं।
जो भी डॉलर के लिए छोड़ के घरवार गये
आज वो लौटकर आने की बात करते हैं।
अम्न की बात कई लोग करें ज़ाहिर में
छिप के वो आग लगाने की बात करते हैं।
दिल मे रखकर के जलन और ज़हर नफ़रत का
रास्ता दिल में बनाने की बात करते हैं।

टेक्नो अपडेट

बिना कंप्रेसर सिर्फ पानी से कूलिंग, यह है नई सेंट्रलाइज्ड सिस्टम तकनीक

तपती या उमस भरी गर्मी में घर ठंडा रखने का एक मात्र ऑप्शन ष्ट होता है लेकिन ष्ट के साथ भारी-भरकम बिजली बिल, आउटडोर कंप्रेसर/कंडेंसर की मरम्मत और मैकेनिक ढूंढने का झंझट आदि हमेशा बना रहता है। इन तमाम परेशानियों को तोड़ एक कूलिंग टेक्नोलॉजी ने निकाला है, जिसे ष्टष्टस्-यानी कि सेंट्रलाइज्ड कूलिंग सिस्टम कहा जा रहा है। यह तकनीक सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि इसका इस्तेमाल सिंगापुर के टेंगाह जैसे आधुनिक ग्रीन टाउनशिप में हो रहा है।

सेंट्रलाइज्ड कूलिंग सिस्टम की खासियत है कि यह पानी से घरों को ठंडा करती है। इसमें घरों की छतों पर इंडस्ट्रियल चिलर्स लगाए जाते हैं। इनकी मदद से बेहद ठंडा पानी घरों तक पहुंचाकर उन्हें ठंडा बनाया जाता है। ऐसे में ष्ट का बिल या उसे समय-समय पर ठीक कराने का झंझट और कंप्रेसर या कंडेंसर का शोर-शराबा परेशानी की वजह नहीं रहता। किसी आउटडोर यूनिट की जरूरत नहीं पड़ती। इस तकनीक में बिल्डिंग की छतों पर बेहद कम बिजली खर्च करने वाले इंडस्ट्रियल चिलर्स के नेटवर्क को इस्तेमाल में लिया जाता है। ये चिलर्स पानी को बहुत ठंडा करते हैं और फिर इस ठंडे पानी को खास पाइपों के जरिए सीधे लोगों घरों तक पहुंचाया जाता है।किसी स्प्लिट या विंडो ष्ट के मुकाबले यह सिस्टम बहुत अलग और आगे की तकनीक है। इसमें ष्ट के साथ आने वाला खर्च जैसे कि बिजली बिल, ष्ट की रिपेयरिंग, फिटिंग आदि का खर्च पहले ही खत्म हो जाता है।

चुनौतियां और सुधार: इस सिस्टम में समय के साथ कई सुधार भी हुए हैं। जैसे कि शुरुआत में ष्टष्टस् के इनडोर एयर-कंडीशनिंग यूनिट्स में पानी के रिसाव और कंडेनसेशन की समस्या आती थी। इन समस्याओं को दूर करने के लिए सिस्टम की टेस्टिंग और कमिशनिंग टीम को तकनीकी रूप से मजबूत किया गया। इसके बाद घरों में पहले ही सिस्टम की बारीकी से जांच होती है। जिसकी वजह से ष्टष्टस् में फॉल्ट्स की संख्या अब न के बराबर रह गई है। इन तमाम कोशिशों की वजह से सेंट्रलाइज्ड कूलिंग सिस्टम टेंगाह में पारंपरिक एयर कंडीशनर की जगह तेजी से ले रहा है। रिपोर्ट्स क एक सर्वे में करीब 70% लोगों ने इस सिस्टम को अपनाने की सलाह दूसरों को भी दी है।?

वायरल कंटेंट

पहाड़ों में आसान नहीं है सरकारी टीचर की लाइफ, स्कूल आना भी जंग लड़ने के बराबर

भारत में अक्सर कहा जाता है कि सरकारी नौकरी लग गई तो जिंदगी बन गई, खासकर सरकारी टीचर की पोस्टिंग को आराम की नौकरी समझा जाता है। अच्छी सैलरी, छुट्टियां और पेंशन जैसी सुविधाएं इसे बेहतरीन बनाती है। लेकिन उत्तराखंड के दूरदराज के पहाड़ी इलाकों में तैनात सरकारी टीचर की जिंदगी इस धारणा को पूरी तरह चुनौती देती है।

सोशल मीडिया पर एक सरकारी टीचर द्वारा शेयर किया गया पोस्ट इन दिनों वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने पहाड़ों में स्कूल की सच्चाई लोगों के सामने रखी है। उत्तराखंड के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में स्थित एक सरकारी स्कूल की तस्वीर देखकर कोई भी सोच में पड़ जाएगा। खूबसूरत हरे-भरे पहाड़, घने जंगल और बादलों से छूती चोटियां, ये नजारा तो दिल को छू लेने वाला है, लेकिन रोजाना स्कूल पहुंचना वहां के टीचर और बच्चों के लिए जानलेवा संघर्ष है। टीचर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि सुबह घर से निकलना ही एक बड़ी चुनौती है। संकरी घुमावदार सड़कें, एक तरफ खाई और दूसरी तरफ ऊंची चट्टानें। बारिश के मौसम में तो रास्ता फिसलन भरा हो जाता है। एक छोटी सी गलती जान ले सकती है। कई बार रास्ते में भूस्खलन या पत्थर गिरने के कारण स्कूल जाना नामुमकिन हो जाता है। फिर भी टीचर और बच्चे हिम्मत नहीं हारते। बच्चों की स्थिति और भी मुश्किल है। कई बच्चे 5-10 किलोमीटर दूर से पैदल चलकर स्कूल आते हैं। रास्ते में जंगली जानवरों का खतरा, बारिश में नदियां उफान पर और सर्दियों में बर्फीली सड़कें। छोटे-छोटे बच्चे इन खतरों को पार करके स्कूल पहुंचते हैं।

मुश्किलों में जीत: उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में दूरदराज के गांवों में शिक्षा व्यवस्था चुनौतीपूर्ण है। कई स्कूलों में शिक्षक कम हैं, संसाधन अपर्याप्त हैं और मौसम की मार सबसे ज्यादा पड़ती है। सर्दियों में बर्फबारी के कारण स्कूल कई दिनों तक बंद रहते हैं। यह पोस्ट हमें याद दिलाता है कि भारत की सच्ची शिक्षा कहानी शहरों की चमकदार स्कूलों में नहीं बल्कि इन पहाड़ी इलाकों के सरकारी स्कूलों में लिखी जा रही है, जहां टीचर और बच्चे रोज नई चुनौतियों से लड़ते हुए भविष्य तैयार कर रहे हैं।

उलटफेर का शिकार हुई ब्राजील टीम, हालंद के दो गोल से नॉर्वे क्वार्टर फाइनल में

ब्राजील के बाहर होते ही नेमार ने इंटरनेशनल फुटबॉल को कहा अलविदा, फूट-फूटकर रोए भी

न्यूयॉर्क , एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में नॉर्वे ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को 1-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालंद ने 79वें और 90वें मिनट में दो शानदार गोल दागकर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। ब्राजील के लिए नेमार जूनियर ने इंजरी टाइम (90+10%) में पेनल्टी पर एकमात्र गोल किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। ब्राजील की हार के कुछ ही देर बाद ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। इसके साथ ही ब्राजील फुटबॉल के एक यादगार दौर का भी अंत हो गया। मैच के बाद भावुक नेमार ने अपने फैसले की घोषणा करते हुए कहा, %मैंने पूरी कोशिश की, मैंने पूरी कोशिश की। अब सब खत्म हो गया। मैंने यहीं से शुरुआत की थी और यहीं मेरा सफर खत्म हुआ। इस दौरान नेमार खूब फूट-फूटकर रोते भी नजर आए

मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजील ने शुरुआत से ही दबाव बनाया, लेकिन नॉर्वे का मजबूत डिफेंस उसके सामने दीवार बनकर खड़ा रहा। 79वें मिनट में आंद्रेस स्केजलडेरप के शानदार क्रॉस पर एरलिंग हालंद ने हेडर के जरिए गोल कर नॉर्वे को बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही मिनट बाद हालंद ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया और ब्राजील की मुश्किलें बढ़ा दीं।इंजरी टाइम में लियो ओस्टीगार्ड द्वारा कैसेमीरो पर फाउल किए जाने के बाद ब्राजील को पेनल्टी मिली। अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में नेमार ने इसे गोल में बदला, लेकिन यह केवल हार का अंतर कम कर सका। नॉर्वे ने 2-1 से जीत दर्ज कर पहली बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

ब्राजील के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल रहे नेमार

यह गोल नेमार का इस विश्व कप में पहला और अंतरराष्ट्रीय करियर का 80वां गोल रहा। उन्होंने ब्राजील के लिए 130 मुकाबलों में 80 गोल और 59 असिस्ट दर्ज किए। इसी के साथ वह ब्राजील के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में अपने इंटरनेशनल करियर को अलविदा कह गए। नेमार ने अपने करियर में ब्राजील को 2013 फीफा कनफिडरेशन कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा 2016 रियो ओलंपिक में घरेलू मैदान पर टीम को ऐतिहासिक ओलंपिक स्वर्ण पदक भी दिलाया। विश्व कप से पहले उनकी फिटनेस को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे, लेकिन मुख्य कोच कार्लो एंसेलोट्टी ने उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया था।

एंड्रिक भी नहीं दिला सके बढ़त

दूसरे हाफ में ब्राजील के युवा खिलाड़ी एंड्रिक को मैदान पर उतारा गया। मैदान में आने के महज 52 सेकंड बाद उन्हें गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन खराब फर्स्ट टच के कारण वह इसे गोल में नहीं बदल सके। इसके बाद नॉर्वे ने लगातार दबाव बनाया और हालंद ने दो गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मुकाबले में दो गोल करने के साथ एर्लिंग हालंद के फीफा विश्व कप 2026 में कुल सात गोल हो गए हैं। वह अब टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोररों की सूची में किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी के बराबर पहुंच गए हैं। गोल्डन बूट की दौड़ अब और भी रोमांचक हो गई है।

ब्राजील के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

इस हार के साथ ब्राजील लगातार सातवीं बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में किसी यूरोपीय टीम से हारकर बाहर हुआ। साथ ही 1990 के बाद यह पहला मौका है, जब ब्राजील विश्व कप के इतने शुरुआती चरण में टूर्नामेंट से बाहर हो गया। दूसरी ओर, हालंद के दो गोलों की बदौलत नॉर्वे ने इतिहास रचते हुए पहली बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

बुमराह ने रेड बॉल से प्रैक्टिस शुरू की, इंग्लैंड वनडे और श्रीलंका टेस्ट सीरीज पर नजर

अहमदाबाद , एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने अहमदाबाद में लाल एसजी बॉल से गेंदबाजी करते हुए तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। बुमराह ढ्ढक्क से ब्रेक के बाद गुजरात डोमेस्टिक टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से आराम दिया गया है। वे इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से इंटरनेशनल में वापसी कर रहे हैं।

968 दिन बाद खेलेंगे वनडे

बुमराह ने आखिरी वनडे 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में खेला था। इंग्लैंड सीरीज के साथ वह 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे। इसके अलावा उन्हें एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। वे अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी नहीं खेले थे। बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए आईपीएल 2026 में 13 मैचों में सिर्फ 4 विकेट लिए। उनका औसत 102.50, इकोनॉमी 8.36 और बेस्ट प्रदर्शन 15 रन देकर 1 विकेट रहा।

टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लिए

बुमराह ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 पारियों में 14 विकेट लेकर टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर बने। उन्होंने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 15 रन देकर 4 विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

श्रीलंका में खेले जाएंगे दो टेस्ट

इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद भारत 15 से 27 अगस्त तक श्रीलंका में दो टेस्ट मैच खेलेगा। पहला टेस्ट गॉल और दूसरा कोलंबो में होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में भारत के लिए बुमराह की वापसी बेहद अहम है।

वेस्टइंडीज-इंग्लैंड दौरे से पहले बाबर की टेस्ट कप्तानी में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की सरजमीं पर होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम का ऐलान किया है। बाबर आजम को फिर से पाकिस्तान का टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है।

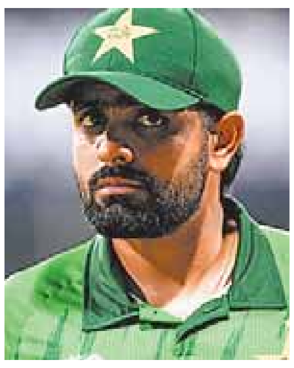

शान मसूद की अगुवाई में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उनसे टेस्ट कप्तानी ले ली गई है। मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान ने खेले 16 टेस्ट मैचों में से 12 में हार का सामना किया। हाल ही में टीम को बांग्लादेश के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भी टीम का सूपड़ा साफ हुआ था। सिलेक्टर्स ने वेस्टइंडीज सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। हालांकि, इंग्लैंड दौरे के लिए सऊद शकील को 17वें खिलाड़ी के तौर पर टीम में रखा गया है। मगर शकील को टीम में शामिल होने से पहले फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। सिलेक्टर्स ने टीम में चार युवा खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया है। यह चार खिलाड़ी बाएं हाथ के स्पिनर अली उस्मान, बल्लेबाज मुहम्मद अवैस जफर, पेसर उबैद शाह और विकेटकीपर-बल्लेबाज मुहम्मद गाजी गोरी हैं।

भारत ए ने श्रीलंका ए के खिलाफ दूसरा अनौपचारिक टेस्ट 10 विकेट से जीता, सुदर्शन के बाद चमके बरार

दांबुला। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने दूसरे और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट में कुल 10 विकेट लेकर भारत ए को श्रीलंका ए पर शानदार 10 विकेट की जीत दिलाकर अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ संभावित टेस्ट डेब्यू के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। साई सुदर्शन के 168 रन की बदौलत भारत ए ने पहली पारी में 543 रन का विशाल स्कोर बनाया और श्रीलंका ए पर 177 रनों की बढ़त हासिल की। श्रीलंका ए की दूसरी पारी 209 रन पर सिमटने के बाद भारत ए को जीत के लिए केवल 33 रन का लक्ष्य मिला। भारत ने बिना किसी नुकसान के 36 रन बनाकर जीत दर्ज की। भारत ए ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 541 रन से की थी। मैच के चौथे और अंतिम दिन खेल तेजी से आगे बढ़ा। बरार ने दूसरी पारी में छह विकेट लेकर श्रीलंका ए की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। पहली पारी में भी उन्होंने चार विकेट लिए थे जिससे पूरे मैच में उनके विकेटों की संख्या 10 हो गई। अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए टीम में जगह के एक अन्य दावेदार आकिब नबी की तुलना में बरार का प्रदर्शन कहीं अधिक प्रभावशाली रहा।

खत्म हो गई मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच दुश्मनी?

मंच से कही दिल छू लेने वाली बात

चेन्नई , एजेंसी

एक समय भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित विवाद का हिस्सा रहे मुरली विजय और दिनेश कार्तिक अब शायद पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ चुके हैं। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मुरली विजय ने अपने संबोधन के दौरान दिनेश कार्तिक को लेकर ऐसी बातें कहीं, जिसने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वर्षों तक एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने वाले विजय ने सार्वजनिक मंच से कार्तिक की तारीफ करते हुए उन्हें अपना बेहद अजीज दोस्त बताया।

अपने भाषण में मुरली विजय ने कहा कि वह बचपन से दिनेश कार्तिक को खेलते हुए देख रहे हैं और उनके खेल के हमेशा प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने कहा, अब मुझे दिनेश कार्तिक के बारे में बात करनी है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मैं उन्हें बचपन से देखता आया हूं। वह तमिलनाडु के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। वह एक बेहद गतिशील व्यक्तित्व के मालिक और मेरे बेहद अजीज दोस्त हैं। विजय ने आगे कहा, मैंने नॉन-स्ट्राइकर एंड से कई बार उनकी बल्लेबाजी को करीब से देखा है। उनके जैसा खेलते हुए मैंने किसी और को नहीं देखा। वह शानदार क्रिकेटर हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट की समझ ने मेरे करियर में काफी मदद की है और इसके लिए मैं मंच से उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।

क्या था दोनों के बीच विवाद?

मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच का विवाद 2010 के शुरुआती वर्षों में सामने आया था। उस समय दोनों तमिलनाडु और भारतीय टीम के लिए साथ खेलते थे और बेहद करीबी दोस्त माने जाते थे। बाद में दिनेश कार्तिक और उनकी तत्कालीन पत्नी निकिता वंजारा का रिश्ता टूट गया। इसके बाद निकिता ने मुरली विजय से शादी कर ली। इस घटना के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच दूरियां बढ़ गईं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं की। निजी जीवन में बड़े झटके के बावजूद दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने खुद को भारत के भरोसेमंद फिनिशर के रूप में स्थापित किया और कई यादगार पारियां खेलीं। बाद में उन्होंने भारतीय स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल से शादी की।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जब पूरी तरह हार मान चुकी थीं विद्या बालन, फिर आया एक फोन कॉल- तुम ही मेरी परिणीता हो

परिणीता, कहानी, द डर्टी पिक्चर और भूलभुलैया जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री विद्या बालन का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा। फिल्मों में कदम रखने से पहले उन्हें कई बार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। एक दिन उनकी जिंदगी में ऐसा पल आया, जिसने उनकी किस्मत बदल दी। विद्या ने उस यादगार पल को साझा करते हुए बताया, जब उन्हें अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म परिणीता मिली थी।

दिग्गज अभिनेत्री सिमी ग्रेवाल के चर्चित चैट शो रेन्जेव्यू विद सिमी ग्रेवाल में बातचीत के दौरान विद्या बालन ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, उस समय मैं कई ऑडिशन दे चुकी थी और धीरे-धीरे मुझे लगने लगा था कि शायद यह फिल्म भी मेरे हाथ से निकल जाएगी। ऐसे में मैंने उम्मीद लगभग छोड़ दी थी।

विद्या ने बताया, जिस दिन मेरी किस्मत बदलने वाली थी, उस दिन मैं मशहूर सिंगर एनरिक इग्लेसियस के कॉन्सर्ट में मौजूद थी। मैंने अपना मोबाइल फोन बंद कर रखा था ताकि कोई मुझे परेशान न करे। मेरे साथ मौजूद एक दोस्त, जो निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ भी काम करता था, के पास अचानक दादा का फोन आया।

विद्या ने उस पल को याद करते हुए आगे कहा, दादा ने मेरे दोस्त से पूछा कि विद्या कहां है? क्या वह कॉन्सर्ट में है? उसने कहा कि हां, वह यहीं है। इसके बाद मैंने फोन लिया तो उन्होंने बताया कि मिस्टर चोपड़ा यानी विधु विनोद चोपड़ा आपसे बात करना चाहते हैं।

ऑडिशन देने के बाद हर बार हो जाती थी रिजेक्ट

विद्या ने कहा, उस समय पूरा यकीन था कि मुझे यह बताने के लिए फोन किया गया है कि मैं फिल्म के लिए सेलेक्ट नहीं हो पाई हूं, क्योंकि मैं पहले ही कई ऑडिशन दे चुकी थी और हर बार रिजेक्ट हो जाती थी। हालांकि अगले ही पल जो शब्द मैंने सुने, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। विद्या ने बताया कि विधु विनोद चोपड़ा ने उनसे कहा, %विद्या बालन, तुम ही मेरी परिणीता हो। मैं तुम पर भरोसा करता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि तुम हमेशा हमारे इस भरोसे का सम्मान करोगी।

फिल्म इंडस्ट्री पर मधु का बड़ा खुलासा, पहली फिल्म से ही शुरू हो जाती है असली परीक्षा

90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री मधु ने अपनी फिल्मों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। उन्होंने फूल और कांटे, रोजा, जेंटलमैन और योधा जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। वह लंबे समय तक फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं।

मधु का मानना है कि उनके दौर की अभिनेत्रियों को खुद को निखारने और दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने का समय मिलता था, जबकि आज की अभिनेत्रियों के सामने शुरुआत से ही खुद को साबित करने की बड़ी चुनौती होती है।

मधु ने कहा, हम सभी का करियर काफी लंबा रहा। मैंने अपनी इच्छा से करीब 9 साल बाद फिल्मों से दूरी बना ली, लेकिन मेरी साथ की अभिनेत्रियां लगातार काम करती रहीं। उन्होंने समय के साथ खुद को बदला, नए किरदार अपनाए और दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए रखी। आज की अभिनेत्रियों को इतना लंबा समय नहीं मिल पाता। वे पहली ही फिल्म में बेहद खूबसूरत और पूरी तरह तैयार नजर आती हैं, कुछ फिल्में करती हैं और फिर उनके जगह पर कोई नया चेहरा आ जाता है। उन्होंने आगे कहा, हमारे समय का फायदा यह था कि शुरुआत में परफेक्ट न होने के बावजूद हमें खुद को साबित करने का मौका मिलता था। आज की अभिनेत्रियां शुरुआत से ही परफेक्ट होती हैं, लेकिन उन पर पहली ही फिल्म से अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव रहता है। उन्हें काफी सपोर्ट मिलता है, लेकिन अगर पहली फिल्म में दर्शकों को प्रभावित नहीं कर पाईं तो उनके लिए आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है। मधु ने अपना उदाहरण देते हुए कहा, अगर दर्शकों को हम पसंद नहीं आते थे, तो हमें दूसरा और तीसरा मौका भी मिलता था।

मेट्रो बाजार

होर्मुज स्ट्रेट खुलने का असर, सरकार ने प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर लगी आपातकालीन पाबंदियों को हटाया

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान लागू किए गए आपातकालीन प्राकृतिक गैस आपूर्ति नियमन आदेश के ज्यादातर प्रावधान वापस ले लिए हैं। सरकार ने यह फैसला अमेरिका-ईरान में सीजफायर के बाद होर्मुज स्ट्रेट से लिक्विफाइड नेचुरल गैस की आपूर्ति फिर से शुरू होने और आपूर्ति की स्थिति में सुधार को देखते हुए लिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आधिकारिक नोटिफिकेशन में नेचुरल गैस ऑर्डर, 2026 में बदलाव किया है। इसके तहत उन मुख्य नियमों को हटा दिया गया है, जिनके जरिए सरकार प्राथमिकता वाले ग्राहकों की सूची के आधार पर देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस और आयातित एलएनजी के बंटवारे को नियंत्रित करती थी। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में हालात काफी बेहतर हुए हैं, वहां युद्धविराम लागू है, बातचीत चल रही है और होर्मुज स्ट्रेट से समुद्री आवाजाही फिर से शुरू हो गई है। इस अहम समुद्री रास्ते से शिपिंग बहाल होने से भारत को ईंधन और गैस की सप्लाई को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज स्ट्रेट से एलएनजी शिपमेंट में रुकावट आने के बाद, जरूरी चीजों के कानून के तहत इमरजेंसी गैस आपूर्ति नियम लागू किए गए थे। यह रुकावट अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच सैन्य टकराव के कारण आई थी, जिससे कुछ एलएनजी आपूर्तिकर्ताओं को %फोर्स मेज्योर% का सहारा लेना पड़ा और कार्गो का रास्ता बदलना पड़ा, जिससे भारत में गैस की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ गई।

भुटान के भारत से ई20 पेट्रोल लेने से इनकार करने वाले दावे को केंद्र ने किया खारिज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि भुटान की ओर से भारत से ई20 पेट्रोल लेने से इनकार कर दिया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी स्पष्टीकरण में कहा गया,÷ये दावे गलत हैं कि भूटान ने भारत से ई20 पेट्रोल आयात करने का प्रस्ताव ठुकरा दिया। पोस्ट में आगे कहा गया, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) की ओर से ऐसा कोई ऑफर नहीं दिया गया है और भूटान को ई20 पेट्रोल निर्यात करने का भी कोई प्रस्ताव नहीं है।साथ ही जनता से अपील की कि सही जानकारी के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और तेल वितरक कंपनियों की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

की ओर से भारत से ई20 पेट्रोल लेने से इनकार करने का दावा करने वाली कई रिपोर्ट्स शनिवार को सामने आई थीं, जिनमें कहा गया कि पड़ोसी देश ने भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) से ई20 (जिसमें 80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत एथेनॉल होता है) पेट्रोल को आयात करने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। रिपोर्ट में बताया गया कि भुटान के ई20 पेट्रोल न आयात करने की वजह स्टोरेज से संबंधी चुनौतियां हैं। इससे अतिरिक्त, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे दावों को पूरी तरह भ्रामक और वैज्ञानिक तथ्यों से परे बताया है। मंत्रालय ने कहा कि ई20 पेट्रोल वाहनों के लिए नुकसानदायक होने, प्रदूषण बढ़ाने, इंजन खराब करने या एथेनॉल उत्पादन में अत्यधिक पानी की खपत जैसे दावों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

तुर्किये में प्रकृति का 'पीला समंदर' बना आकर्षण का केंद्र

अंकारा। तुर्किये के किर्कलारेली प्रांत में सूरजमुखी के खेत पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। यह इलाका तुर्किये का सूरजमुखी और खाद्य तेल उत्पादन का मुख्य केंद्र है। स्थानीय लोग इन फूलों को 'सारी गेलिन' (पीली दुल्हन) भी कहते हैं। बता दें कि जून से जुलाई में यह क्षेत्र एग्रो-टूरिज्म का प्रमुख हब बन जाता है।

मानसून सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ जांच रिपोर्ट की जाएगी पेश

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाली तीन-सदस्यीय समिति की रिपोर्ट 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में लोकसभा में पेश की जाएगी।

इससे उनके इस्तीफे के फैसले के बावजूद संसद में उन्हें हटाने का प्रस्ताव लाए जाने की संभावना बनी हुई है। पश्चिम बंगाल के विधायकों को संबोधित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बिरला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा उन्हें सौंपी गई रिपोर्ट सदन में पेश किए जाने के बाद आगे की कार्रवाई का फैसला सदन ही करेगा। यह रिपोर्ट सत्र के पहले दिन पेश की जा सकती है। उन्होंने बताया कि सत्ताधारी गठबंधन और विपक्ष दोनों ही तरफ की पार्टियों के सदस्यों ने वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे।

अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में 40 मिनट में फूटे 8 लाख पटाखे

आजादी के जश्न के बाद वॉशिंगटन बना दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान 4 जुलाई को 40 मिनट तक जबरदस्त आतिशबाजी की गई। इसके कारण रविवार को कुछ समय के लिए वॉशिंगटन डीसी दुनिया के बड़े शहरों में सबसे खराब हवा की गुणवत्ता वाला शहर बन गया। ग्लोबल एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म IQAir के अनुसार, जैसे-जैसे प्रदूषण का स्तर धीरे-धीरे सुधरा रविवार शाम तक अमेरिकी राजधानी IQAir की ग्लोबल एयर क्वालिटी रैंकिंग में 26वें स्थान पर आ गई। शहर के अधिकारियों ने हवा की खराब गुणवत्ता के लिए कोड रेड अलर्ट जारी किया। उन्होंने लोगों से घर के बाहर ज्यादा समय न बिताने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि हवा बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों के लिए नुकसानदायक है। साथ ही यह भी कहा कि प्रदूषण का स्तर बढ़ने से स्वस्थ लोगों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। अधिकारियों ने कहा कि आज एयर क्वालिटी ऐसी है जैसे सिगरेट पीते हुए मैराथन दौड़ना। उन्होंने चेतावनी दी कि बहुत ज्यादा गर्मी और आतिशबाजी से होने वाले प्रदूषण का मिला-जुला असर सेहत के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

सैकड़ों लोगों को पड़ी मेडिकल मदद की जरूरत

सैकड़ों लोगों को मेडिकल मदद की जरूरत पड़ी। आजादी के दिन के जश्न के दौरान इमरजेंसी सर्विस देने वालों ने सैकड़ों लोगों का इलाज किया। डीसी फायर और ईएमएस डिपार्टमेंट ने बताया कि 96 मरीजों से संपर्क हुआ और 40 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में 289 मरीजों से संपर्क दर्ज किया गया। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज ने भी 314 मरीजों से संपर्क की जानकारी दी। हालांकि अधिकारियों ने यह पुष्टि नहीं की है कि इनमें से कितने मामले गर्मी या खराब हवा की क्वालिटी से जुड़े थे। इस आतिशबाजी शो में नेशनल मॉल, पोटोमैक नदी की नौका (बड़ी नावों) और वेस्ट पोटोमैक पार्क में 10 जगहों से लगभग 8,50,000 आतिशबाजी छोड़ी गईं। उम्मीद थी कि यह इवेंट दुनिया के सबसे बड़े आतिशबाजी शो के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को चुनौती देगा। हालांकि रविवार तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी।

मंदिर पब्लिक अथॉरिटी नहीं... यह कहकर पल्ला नहीं झाड़ सकता है विभाग : केंद्रीय सूचना आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसला सुनाया है। सीआईसी ने पुडुचेरी के हिंदू धार्मिक संस्थान और वक्फ विभाग को कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि कोई मंदिर 'पब्लिक अथॉरिटी' नहीं है, सिर्फ इस दलील के आधार पर सरकारी विभाग मंदिर से जुड़े रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की अपनी वैधानिक जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकता। दरअसल, यह मामला 'श्री वेदपुरीश्वरर श्री वरदराजपेरुमल देवस्थानम' मंदिर से जुड़े रिकॉर्ड्स और बजट की जानकारी मांगने से जुड़ा है। एक आवेदक ने पुडुचेरी के हिंदू धार्मिक संस्थान और वक्फ विभाग से इस मंदिर के साल 2021 से 2025 तक के वार्षिक बजट, ऑडिट रिपोर्ट, संपत्तियों के हस्तांतरण और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ आई शिकायतों तथा उन पर हुई कार्रवाई का ब्योरा मांगा था। विभाग ने इस आरटीआई आवेदन को मंदिर प्रशासन के पास भेज दिया, लेकिन मंदिर प्रशासन ने यह कहते हुए जानकारी देने से साफ इनकार कर दिया कि देवस्थानम को पुडुचेरी सरकार से कोई बड़ी वित्तीय मदद नहीं मिलती, इसलिए वह आरटीआई कानून की धारा 2(एच) के तहत 'पब्लिक अथॉरिटी' नहीं है। इस पर सुनवाई करते हुए सूचना आयुक्त पी.आर. रमेश ने बेहद भावपूर्ण और तार्किक रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदक ने जानकारी मंदिर से नहीं, बल्कि सरकारी विभाग से मांगी थी, जो कि आरटीआई कानून के तहत खुद एक 'पब्लिक अथॉरिटी' है। सीआइसी ने कहा कि भले ही मंदिर सीधे तौर पर इस कानून के दायरे में न आता हो, लेकिन जो रिकॉर्ड कानूनन सरकारी विभाग के पास मौजूद हैं या उसकी कस्टडी में हैं, उन्हें देने से विभाग इनकार नहीं कर सकता। सिर्फ आवेदन को दूसरी जगह ट्रांसफर कर देने से विभाग की जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती। सीआईसी ने विभाग की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि शिकायतों और जांच से जुड़ी जानकारियां आरटीआई के दायरे में नहीं आतीं। आयोग ने कहा कि अगर विभाग के पास शिकायतों, जांच की स्थिति और अनुशासनात्मक कार्रवाई का रिकॉर्ड मौजूद है, तो वह कानूनन 'सूचना' की श्रेणी में आता है।

यूरिया- डीएपी ला रहे 15 जहाजों ने होर्मुज पार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

हालिया पश्चिम एशिया जंग के बावजूद भारत की उर्वरक सप्लाई चेन काफी हद तक अप्रभावित रही है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने बताया कि देश के लिए उर्वरक और कच्चा माल लेकर आ रहे 20 में से 15 जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुके हैं और भारत की ओर बढ़ रहे हैं। इनमें से आठ जहाज 3.32 लाख टन यूरिया, चार जहाज 2.57 लाख टन डीएपी और तीन जहाज 1.11 लाख टन सल्फर ले आ रहे हैं। पांच जहाज और पाइप लाइन में हैं और इनमें से प्रत्येक 0.25 लाख टन अमोनिया और 0.45 लाख टन यूरिया लेकर आएगा। मंत्रालय ने बताया कि सभी शिपमेंट समय पर पहुंचने की उम्मीद है। उसने कहा कि हालांकि पश्चिम एशिया में चली जंग ने समुद्री यातायात को बाधित किया लेकिन केंद्र ने समय पर योजना, प्रभावी समन्वय और निरंतर निगरानी के माध्यम से उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की। ओमान, मलेशिया, वियतनाम, जार्जिया, नाइजीरिया, रूस, फिनलैंड,

मिस्र, अल्जीरिया, तुर्की और नीदरलैंड से यूरिया की आपूर्ति की गई है। रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि संघर्ष ने वैश्विक सप्लाई चेन को बाधित किया है, जिससे उर्वरक की कीमतें बढ़ गई हैं। हालांकि, सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा की है। घरेलू यूरिया उत्पादन पहली तिमाही में 71.55 लाख टन रहा, जो लक्ष्य से अधिक है। दो जुलाई तक, यूरिया के भंडार 69.08 लाख टन थे, जिससे कुल उपलब्धता 163.35 लाख टन हो गई है।

द. अफ्रीका से भारत आएंगे और चीते

कूनो अभयारण्य बना रहेगा चीता लांचिंग ग्राउंड

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रोजेक्ट चीता की सफलत होने से दक्षिण अफ्रीका अब भारत को छह से आठ और चीते दे सकता है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई चर्चा में बनी सहमति के बाद चीतों की नई खेप को कूनो में रखने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। वैसे भी कूनो में बाहर से आने वाले चीतों को रखने के लिए जो ढांचा तैयार किया है, उसमें भविष्य में भी बाहर से आने वाले चीतों का लांचिंग ग्राउंड कूनो ही रहेगा। फिलहाल मौजूदा समय में मध्य प्रदेश के कूनो और गांधी सागर अभयारण्यों में 53

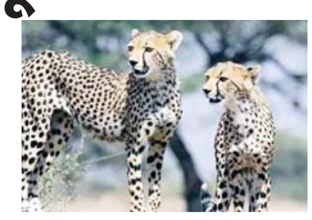

चीते हैं। इस बीच मप्र के नौरादेही अभयारण्य को चीतों का एक तीसरा ठिकाना भी बनाने की तैयारी अंतिम दौर में है। माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक कूनो से कुछ चीतों को वहां शिफ्ट किया जा सकता है। इसके बाद चीतों की एक खेप को गुजरात के बन्नी अभयारण्य में रखने की तैयारी है। पिछले दिनों राजस्थान के सरिस्का अभयारण्य में प्रोजेक्ट चीता को लेकर भी चर्चा हुई थी। इसमें प्रोजेक्ट चीता के भविष्य का रोडमैप प्रस्तुत किया गया था। इस दौरान बताया गया था कि कैसे कूनो और गांधी सागर में चीते खुले जंगल में विचरण कर रहे हैं। साथ ही शिकार भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि देश में 2022 में नामीबिया से आठ, 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और 2026 में बोत्सवाना से नौ चीते लाए गए हैं। हालांकि मौजूदा समय में भारत में जन्मे चीते ही व्यस्क हो गए हैं। राजस्थान ने भी मांगे हैं चीते चीतों को बसाने को लेकर अकेले मध्य प्रदेश और गुजरात ही नहीं, बल्कि राजस्थान भी रूचि दिखा रहा है। सरिस्का में आयोजित एक सम्मेलन में राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के सामने यह मांग रखी और कहा कि वह भी अपने यहां चीतों को बसाना चाहते हैं। गौरतलब है कि प्रोजेक्ट चीता के तहत राजस्थान के मुकुंदरा, शाहगढ़ व भैंस रोडगढ़ अभयारण्य को चीतों के लिए उपयुक्त पाया गया था। वैसे भी कूनो से चीते निकलकर लगातार राजस्थान की सीमा में दाखिल हो रहे हैं। ऐसे में मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच एक चीता कारिडोर बनाने का भी प्रस्ताव है।

एआई विमर्श... थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर रफत सिद्दीकी से कुछ सवाल और उनके जवाब

आने वाले दिनों में क्या एआई वास्तव में विश्वविद्यालयों को बदल देगा?

थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में वरिष्ठ प्रोफेसर और सस्टेनेबिलिटी एंड इम्पैक्ट के डीन प्रोफेसर रफ़त सिद्दीकी को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में उन्हें स्थान दिया गया है। बिट्स पिलानी से पीएचडी की और यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मिल्वौकी, यूएसए से पोस्ट-डॉक्टरल कार्य करने वाले प्रो, सिद्दीकी एल्सेवियर के प्रतिष्ठित जर्नल 'कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डिंग मटेरियल्स' के संपादक भी हैं। प्रस्तुत हैं उनसे एआई को लेकर लंदन में किए गए एक इंटरव्यू के अंश---

क्या एआई वास्तव में विश्वविद्यालयों को बदल देगा?

जवाब : निश्चित रूप से। विश्वविद्यालयों की मौजूदा व्यवस्था कई सौ वर्ष पुरानी सोच पर आधारित है। एक शिक्षक कक्षा में आता है, विद्यार्थियों को जानकारी देता है और फिर परीक्षा के माध्यम से यह जांचा जाता है कि विद्यार्थी ने कितनी जानकारी याद रखी। एआई ने इस व्यवस्था को चुनौती दे दी है। आज विद्यार्थी कुछ ही सेकंड में दुनिया की लगभग किसी भी जानकारी तक पहुंच सकता है। ऐसे में विश्वविद्यालयों को सोचना होगा कि उनका वास्तविक उद्देश्य केवल जानकारी देना है या विद्यार्थियों में सोचने और समस्याओं को हल करने की क्षमता पैदा करना।

सवाल : क्या एआई शिक्षकों की जगह ले सकता है?

जवाब : एआई शिक्षक की भूमिका को समाप्त करने के बजाय उसे बदल सकता है। भविष्य में शिक्षक का काम केवल लेक्चर देना नहीं रहेगा। शिक्षक एक मार्गदर्शक, विचारों को दिशा देने वाला और विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच विकसित करने वाला व्यक्ति होगा। जानकारी एआई दे सकता है, लेकिन किसी युवा को यह समझाना कि उस जानकारी का सही उपयोग कैसे किया जाए, अभी भी मानवीय जिम्मेदारी है।

सवाल : क्या डिग्रियों का महत्व कम हो जाएगा?

जवाब : संभव है। अभी नौकरी पाने के लिए विश्वविद्यालय की डिग्री को योग्यता का सबसे बड़ा प्रमाण माना जाता है। लेकिन कंपनियां धीरे-धीरे यह देखने लगी हैं कि व्यक्ति वास्तव में क्या कर सकता है। भविष्य में चार वर्ष की डिग्री से अधिक महत्वपूर्ण किसी व्यक्ति का कौशल और समस्याओं को हल करने की क्षमता हो सकती है। एआई के दौर में यह बदलाव और तेज होगा।

सवाल : विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ा खतरा क्या है?

जवाब : सबसे बड़ा खतरा एआई नहीं बल्कि एआई पर पूरी तरह निर्भर हो जाना है। यदि विद्यार्थी हर सवाल का जवाब एआई से लेकर उसे बिना समझे प्रस्तुत करने लगे तो उसकी सोचने की क्षमता कमजोर हो सकती है। एआई को दिमाग का विकल्प नहीं बल्कि दिमाग की क्षमता बढ़ाने वाले उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए।

सवाल : भारत जैसे देश के लिए एआई अवसर है या खतरा?

जवाब : यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम कितनी जल्दी अपनी शिक्षा व्यवस्था को बदलते हैं। भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी में से एक है। यदि युवाओं को एआई का सही उपयोग सिखाया गया तो भारत के लिए यह असाधारण अवसर हो सकता है। लेकिन यदि विश्वविद्यालय पुराने पाठ्यक्रम और पुराने परीक्षा तंत्र में ही उलझे रहे तो उद्योगों की जरूरत और युवाओं की शिक्षा के बीच की दूरी बढ़ सकती है।

सवाल : विश्वविद्यालयों को क्या बदलाव करने होंगे?

जवाब : सबसे पहले पाठ्यक्रम बदलने होंगे। तकनीक इतनी तेजी से बदल रही है कि कई विषय पढ़ाए जाने तक पुराने हो जाते हैं। विश्वविद्यालयों को ऐसे पाठ्यक्रम बनाने होंगे जिनमें रचनात्मकता, समस्या समाधान, संवाद क्षमता और विभिन्न विषयों को जोड़कर सोचने की योग्यता विकसित हो। केवल किताबों की जानकारी याद कराने वाली शिक्षा भविष्य के लिए पर्याप्त नहीं होगी।

सवाल : क्या परीक्षाओं का स्वरूप भी बदलेगा?

जवाब : बदलना ही होगा। यदि किसी प्रश्न का उत्तर एआई कुछ सेकंड में दे सकता है तो वही प्रश्न परीक्षा में पूछने का क्या अर्थ है? भविष्य की परीक्षा यह जांचने वाली होनी चाहिए कि विद्यार्थी उपलब्ध जानकारी का विश्लेषण कैसे करता है, उससे नया विचार कैसे निकालता है और वास्तविक समस्या का समाधान कैसे खोजता है।

सवाल : भविष्य के विद्यार्थी को क्या सीखना चाहिए?

जवाब : सबसे महत्वपूर्ण है–सीखना कैसे है, यह सीखना। आने वाले समय में कोई व्यक्ति एक ही कौशल के सहारे पूरी जिंदगी काम नहीं कर पाएगा। उसे बार-बार नई तकनीक और नए कौशल सीखने होंगे। जिज्ञासा, सवाल पूछने की आदत और बदलाव को स्वीकार करने की क्षमता भविष्य की सबसे बड़ी योग्यता होगी। एआई को लेकर दुनिया में आशंका भी है और उत्साह भी। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि एआई कितना बुद्धिमान हो जाएगा। असली सवाल यह है कि उसके आने के बाद इंसान अपनी बुद्धि का इस्तेमाल किस तरह करेगा। विश्वविद्यालय यदि इस बदलाव को समय रहते समझ लेते हैं तो एआई शिक्षा के लिए खतरा नहीं बल्कि ज्ञान की नई क्रांति साबित हो सकता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564